Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-16, अंक-22 16-30 नवंबर, 2021 (पाक्षिक) ₹20

'भाजपा प्रगति और विकास के पथ पर मजबूती से आगे बढ़ रही है'

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास

सेवा, संकल्प और समर्पण के लिए प्रतिबद्ध भाजपा

नई दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पूरा होने के बाद प्रदर्शनी देखते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा को ओडिशा में ममता मेहर के अपहरण, यातना और नृशंस हत्या पर रिपोर्ट देते भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती वानती श्रीनिवासन के नेतृत्व में भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा के सदस्यगण

संसद में सरदार वल्लभभाई पटेल को पुष्पांजलि देते केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और साथ में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला व अन्य गणमान्य व्यक्ति

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में भाजपा का महा सदस्यता अभियान 'मेरा परिवार–भाजपा परिवार' का शुभारंभ करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

हरिद्वार में शांतिकुंज के स्वर्ण जयंती के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह को सम्मानित करते डॉ. प्रणव पांड्या

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 सेवा, संकल्प और समर्पण के लिए प्रतिबद्ध भाजपा

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 07 नवंबर, 2021 को नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की गई। यह बैठक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के संबोधन के साथ शुरू हुई और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी के साथ संपन्न हुई। पार्टी के वरिष्ठ नेता...

18 'तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली पार्टी देवभूमि का विकास नहीं कर सकती है'

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने...

28 'उत्तर प्रदेश की डबल इंजन की सरकार अनेक कर्मयोगियों की दशकों की तपस्या का फल है'

गत 25 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में सिद्धार्थ...

29 प्रधानमंत्री ने केदारनाथ में विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया

गत पांच नवंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केदारनाथ में विभिन्न विकास...

31 हमने विश्व के सामने 'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य' का विजन रखा: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 29 से 31 अक्टूबर, 2021 तक रोम, इटली की यात्रा...

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, नई दिल्ली

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का उद्बोधन 07
राजनीतिक प्रस्ताव 13
प्रधानमंत्री का उद्बोधन 17

वैचारिकी

सिद्धांत और नीतियां / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 23

श्रद्धांजलि

प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक के.आर. मलकानी 25

लेख

भारत की ऐतिहासिक वैक्सीनेशन यात्रा / **जगत प्रकाश नड्डा** 26

'मन की बात'

हमारे स्वास्थ्यकर्मियों ने अपने अथक परिश्रम और संकल्प से पेश की एक नई मिसाल 33

अन्य

बूथ सदस्यता महाभियान - 'मेरा परिवार, भाजपा परिवार' का शुभारंभ 19
केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में भारी कटौती की 20
पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन का शुभारंभ 21
विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोवैक्सीन टीके को 'आपात उपयोग के लिए सूचीबद्ध' किया 27
प्रधानमंत्री ने आडवाणी जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं 30

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

देश के लाखों-करोड़ों लोगों के दिलों में बसने वाले भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से हमें आज भी साहस, शौर्य और सेवा की सीख मिलती है। मुझे खुशी है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 नवंबर को उनकी जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

जगत प्रकाश नड्डा

मैं, नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा दीपावली की पूर्व संध्या पर पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः 5 रुपये और 10 रुपये कम करने के लिए धन्यवाद देता हूं। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कमी से खपत को बढ़ावा मिलेगा और मुद्रास्फीति कम होगी, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग को मदद मिलेगी।

अमित शाह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'सबको वैक्सीन, मुफ्त वैक्सीन' के अपने संकल्प को दोहराते हुए देश में 100% टीकाकरण के लक्ष्य को नयी गति देने हेतु घर-घर जाकर टीका लगाने के लिए #HarGharDastak टीकाकरण अभियान की शुरुआत की है। इस संवेदनशील पहल पर मोदी जी का आभार व्यक्त करता हूं।

राजनाथ सिंह

सरदार वल्लभ भाई पटेल देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले एक ऐसे नायक थे, जिन्हें भारत को आज़ाद कराने में उनकी भूमिका और उनके निर्णायक नेतृत्व के लिए हमेशा याद रखा जाएगा। नए भारत के निर्माण के लिए भी उन्होंने काफ़ी योगदान दिया है। उनकी जयंती के अवसर पर मैं उन्हें नमन करता हूं।

बी.एल. संतोष

मूल्य वृद्धि के बारे में ज्ञान देने वाले विपक्षी दल के नेता प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम करने के बाद परिदृश्य से गायब हैं और सभी एनडीए सरकारों ने इसे और कम किया। जब कार्रवाई का समय आता है तो विपक्ष हमेशा गायब रहता है।

नितिन गडकरी

पद्म पुरस्कार से सम्मानित सभी विभूतियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आप सभी ने समाज और देश की सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। यह पुरस्कार सभी को समाज के उत्थान में योगदान के लिए प्रेरित करेगा। #PeoplesPadma

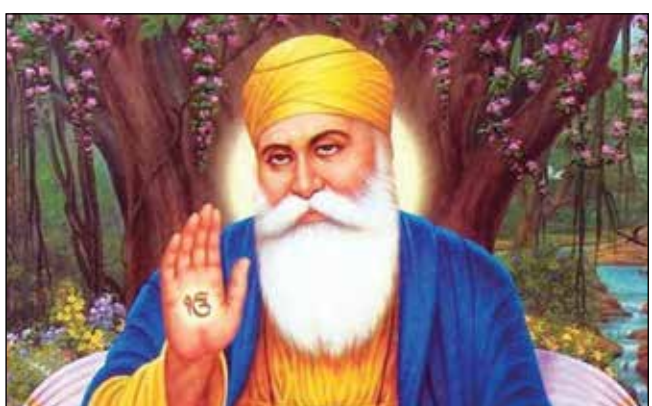

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
गुरू नानक जयंती (19 नवंबर)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

पूरा विश्व नए उभरते भारत का साक्षात्कार कर रहा है

आज जब एक और वैश्विक सर्वे में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे हैं, विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 'मेड इन इंडिया' टीका 'कोवैक्सीन' को मान्यता मिलने से भारत ने एक और बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है। कोवैक्सिन को मान्यता मिलना न केवल एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि विश्व भर के अनेक देशों के लिए एक सकारात्मक संदेश भी है जो अपने देश में कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए भारतीय टीकों की बाट जोह रहे हैं। आज जब 'वसुधैव कुटुंबकम्' के मंत्र को चरितार्थ करते हुए भारत पांच अरब टीके की खुराक निर्मित करने की तैयारी कर रहा है, अनेक देश 'मेड इन इंडिया' टीकों के बल पर महामारी के विरुद्ध अपनी लड़ाई तेज करने की आशा संजोए हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विश्व में सर्वाधिक 70 प्रतिशत लोकप्रियता एक 'नए भारत' के उदय का उद्घोष है जो न केवल आत्मविश्वास से परिपूर्ण है बल्कि दूसरे देशों की आवश्यकता में सहायता करने को भी तत्पर है।

आज पूरा विश्व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व में एक उभरते हुए 'नए एवं आत्मनिर्भर भारत' का साक्षात्कार कर रहा है जो न केवल अपने दायित्वों के प्रति सजग है बल्कि वैश्विक मंचों पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। जी-20 एवं कॉप 26 सम्मेलनों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हाल में यूरोपीय देशों के दौरे से भारत की छवि वैश्विक विषयों के लिए प्रतिबद्ध देश के रूप में बनी है। ध्यान देने योग्य है कि भारत आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय संपर्क एवं कर, जलवायु परिवर्तन, संयुक्त राष्ट्र संघ संस्थाओं में सुधार एवं विश्व शांति से जुड़े विषयों को निरंतर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने न केवल 150 देशों को दवाइयों की आपूर्ति की, बल्कि जरूरतमंद देशों को 'मेड इन इंडिया' टीकों, चिकित्सकीय उपकरणों, आक्सीजन, विशेषज्ञता आदि उपलब्ध कराकर 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' के रूप में उभरा है। वैश्विक विषयों पर भारत के दायित्व बोध को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि जलवायु परिवर्तन के विषयों पर भारत ने चमत्कारिक कदम उठाए हैं और इस विषय पर भारत की प्रतिबद्धता क्लाइमेट चेंज परफॉर्मेंस इंडेक्स (सीसीपीआई) में दिखती है। हाल में जारी आंकड़ों के अनुसार 'सीसीपीआई' में जहां विश्व के बड़े एवं विकसित देश भी फिसले हैं, भारत ने लगातार तीसरे वर्ष भी अपने को दसवें पायदान पर बनाए रखा है। 'अंतरराष्ट्रीय सौर्य गठबंधन' एवं 'नेट-जीरो उत्सर्जन' के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता से भारत की छवि एक ऐसे बड़े देश के रूप में बनी है जो अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी तत्परता से करता है।

एक ओर जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अमेरिका एवं यूरोप दौरे से विश्वभर में भारत की छवि और अधिक निखरी है, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हाल ही में संपन्न राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से राष्ट्रसेवा को तत्पर भाजपा कार्यकर्ताओं का संकल्प और भी सुदृढ़ हुआ है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपनी अध्यक्षीय उद्बोधन में उन प्रदेशों में भी भाजपा की सरकारों के गठन का संकल्प लिया जहां आज भी जनता अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए भाजपा सरकार की राह देख रही है। आज जबकि केंद्र से लेकर विभिन्न प्रदेशों तक भाजपा स्वर्णिम उपलब्धियों की गाथा लिख रही है, यह विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी भी बन चुकी है। देश के हर बूथ पर बूथ समितियों का गठन एवं 'पन्ना प्रमुख' की व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लक्ष्य के पूर्ण होने से भाजपा जनाकांक्षाओं को पूरे देश में पूर्ण करने में और भी अधिक सक्षम एवं समर्थ बनेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से 'अब हर घर दस्तक' अभियान से देश के टीकाकरण अभियान को शीघ्रातिशीघ्र पूरा करने में सहायता मिलेगी।

आज पूरा विश्व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व में एक उभरते हुए 'नए एवं आत्मनिर्भर भारत' का साक्षात्कार कर रहा है जो न केवल अपने दायित्वों के प्रति सजग है बल्कि वैश्विक मंचों पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के दिशानिर्देश में चले 'सेवा ही संगठन' अभियान ने भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं को कोविड-19 महामारी के दौरान स्वयं को जनसेवा में समर्पित होने को प्रेरित किया। भाजपा कार्यकारिणी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में भाजपा कार्यकर्ताओं को सेवा के संकल्प के साथ जमीनी स्तर पर जन-जन से जीवंत संपर्क बनाए रखने पर बल दिया है। सेवा के संकल्प के कारण ही आज भाजपा देशभर में जन-जन की पार्टी बन गई है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

सेवा, संकल्प और समर्पण के लिए प्रतिबद्ध भाजपा

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 07 नवंबर, 2021 को नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की गई। यह बैठक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के उद्बोधन के साथ शुरू हुई और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन के साथ संपन्न हुई। पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी और डॉ. एम.एम. जोशी भी वर्चुअल तौर पर बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान सभी भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

बैठक में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय सड़क परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने भाग लिया। राज्यसभा में भाजपा नेता और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल सभी केंद्रीय मंत्री इस बैठक में मौजूद थे।

कोविड-19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी के कई सदस्यों ने बैठक में वर्चुअली भाग लिया। एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में भारतीय जनता पार्टी के कुल 124 वरिष्ठ नेता उपस्थित थे, जबकि भाजपा शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों तथा सभी भाजपा प्रदेश इकाई के अध्यक्षों और राज्यों के वरिष्ठ नेताओं ने अपने-अपने प्रदेश मुख्यालय से वर्चुअल तौर से बैठक में भाग लिया।

बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई जिसमें पांच राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों पर एक विशेष मंथन सत्र शामिल था। कोरोना महामारी में जान गंवाने वाले लोगों की याद में एक शोक प्रस्ताव भी पारित किया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने समाज के अधिक से अधिक वर्गों तक भारतीय जनता पार्टी की पहुंच सुनिश्चित करने और सभी वर्गों के लोगों को पार्टी में शामिल करने के लिए कार्यक्रमों और नीतियों पर भी चर्चा की।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक स्थल पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सभी नीतियों और कार्यक्रमों की झलक पेश की गई। इनमें 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' और 'गरीब कल्याण अन्न योजना' जैसे कार्यक्रमों से भारत को आत्मनिर्भर बनाने के कार्यक्रम शामिल हैं। प्रदर्शनी में यह भी दिखाया गया कि कैसे कोरोना महामारी के दौरान भारत के गरीब और जरूरतमंद लोगों को दो साल के लिए मुफ्त राशन मिला; कैसे महिलाओं, किसानों, वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं और विशेष रूप से दिव्यांग लोगों को सीधे उनके बैंक खातों में पैसा मिला।

इस प्रदर्शनी में यह भी दिखाया गया कि कैसे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और पार्टी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में कोरोना महामारी के कठिन समय में मानवता की सेवा की और देश भर के करोड़ों गरीब और जरूरतमंद लोगों को राहत और सहायता प्रदान की। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने स्वयं की परवाह किये बिना, खुद को मानव जाति की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। इन सभी को प्रदर्शनी में 'सेवा ही संगठन' और 'सेवा और समर्पण' कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रदर्शित किया। हाल ही में भारत ने 100 करोड़ कोरोना टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त किया और इस प्रकार दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज़ टीकाकरण अभियान एक मील का पत्थर हासिल किया; जिसे भी प्रदर्शनी में स्थान दिया गया।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का उद्बोधन

'भाजपा प्रगति और विकास के पथ पर मजबूती से आगे बढ़ रही है और गौरव के नए अध्याय लिख रही है'

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने उद्घाटन भाषण में इस साल दिसंबर तक देश के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ समितियों और अगले साल अप्रैल तक मतदाता सूची के प्रत्येक पृष्ठ के लिए 'पन्ना समितियों' के निर्माण का एक महत्वाकांक्षी संगठनात्मक लक्ष्य रखते हुए कहा कि पार्टी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है। इस पूरी बैठक का उद्देश्य पार्टी की पैठ को और गहरा करना और जमीन पर अपनी जड़ें और मजबूत करना है।

विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय जन-नेता एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता में 7 नवंबर, 2021 को नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में भाजपा की एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। कार्यकारिणी की बैठक में सभी 36 प्रदेशों से भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं संबंधित प्रदेशों से राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य वर्चुअली इस बैठक से जुड़े। बैठक में भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री एवं राज्य सभा में सदन के नेता श्री पीयूष गोयल सहित सभी वरिष्ठ पार्टी नेता और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे। पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी एवं श्री मुरली मनोहर जोशी भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से वर्चुअली जुड़े।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की शुरुआत करते हुए अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने देश को मजबूत, सशक्त और निर्णायक नेतृत्व देने के लिए लिए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने सदैव ही हम सबका मार्गदर्शन किया है, पार्टी कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने हमेशा अपना संपूर्ण योगदान दिया है।

श्री नड्डा ने कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हम उस भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं जिसे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपनी त्याग, तपस्या और बलिदान से सींचा है। हम भाग्यशाली हैं कि हम उस भाजपा के कार्यकर्ता हैं जिसका नेतृत्व श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी, श्री लालकृष्ण आडवाणी, श्री मुरली मनोहर जोशी, श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी, श्री राजनाथ सिंह, श्री नितिन गडकरी और श्री अमित भाई शाह ने नेतृत्व किया है और जिनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी, विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी और देश के कोने-कोने में भाजपा का विचार पहुंचा। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें दुनिया के सबसे बड़े लोकप्रिय जन नेता एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व मिला जिसके कारण आज न केवल दुनिया में भारत के मान-सम्मान में काफी वृद्धि हुई है बल्कि भारतीय जनता पार्टी भी नई ऊंचाइयों को छू रही है। उनके नेतृत्व में जन-जन का उत्थान एवं देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े, आदिवासी, युवा एवं महिलाओं का सशक्तिकरण हो रहा है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी

के संकट के दौरान जिस तरह हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने आगे बढ़कर 130 करोड़ देशवासियों को साथ लेते हुए नेतृत्व किया और इस संकट पर विजय प्राप्त करने हेतु पूरी दुनिया को राह दिखाई, उसकी जितनी भी सराहना की जाय, कम है। मैं कोरोना संकट के समय निर्णायक नेतृत्व एवं मार्गदर्शन के लिए भारतीय जनता पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सभी सदस्यों की ओर से आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक धन्यवाद देता हूं एवं उनका अभिनंदन करता हूं।

जब कोरोना ने देश में दस्तक दी तो हमारे पास इससे लड़ने की कोई व्यवस्था नहीं थी लेकिन लॉकडाउन के तीन महीने में ही हम N95 मास्क, पीपीई किट्स, सैनिटाइजर्स और टेस्टिंग में आत्मनिर्भर बने

श्री नड्डा ने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में शुरुआत में दुनिया के तमाम बड़े-बड़े देशों की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं लड़खड़ा गई थी लेकिन इस विषम परिस्थिति में जिस दूरदृष्टि के साथ आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने न केवल साहसिक निर्णय लेते हुए लॉकडाउन लगाकर देशवासियों की सुरक्षा की और देशवासियों को तैयार किया, बल्कि गरीब कल्याण योजना, गरीब कल्याण अन्न योजना और आत्मनिर्भर भारत से जन-जन की चिंता की।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना के खिलाफ देश की निर्णायक लड़ाई पर विस्तार से चर्चा करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जब कोरोना ने देश में दस्तक दी तो हमारे पास इससे लड़ने की कोई व्यवस्था नहीं थी, लेकिन लॉकडाउन के तीन महीने में ही हम N95 मास्क, पीपीई किट्स, सैनिटाइजर्स और टेस्टिंग में आत्मनिर्भर बने। इतना ही नहीं, हमने वेंटीलेटर्स और ऑक्सीजन बेड्स में भी आत्मनिर्भरता हासिल की। शुरुआत में हमारे पास केवल एक टेस्टिंग लैब्स था, आज 2500 से अधिक टेस्टिंग लैब्स हैं। शुरू में हमारे पास केवल 1500 टेस्टिंग प्रतिदिन की क्षमता थी, आज 20 लाख से अधिक हमारी टेस्टिंग कैपेसिटी है। आज 15,000 से अधिक डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल्स, लगभग 78 हजार आईसीयू बेड्स और लगभग 14 लाख आइसोलेशन बेड्स मौजूद है। 'ट्रैक, टेस्ट एवं ट्रीट' के विजन के साथ जिस तरह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों की रक्षा की है, इसके लिये मैं उन्हें हृदय की गहराइयों से साधुवाद देता हूं।

श्री नड्डा ने कहा कि कोरोना संकटकाल में गरीबों और प्रवासी मजदूरों की चिंता करते हुए हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने प्रण लिया कि देश में कोई भूखा नहीं रहेगा। इस लक्ष्य के साथ देश के 80 करोड़ लोगों के लिए उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े खाद्य राहत अभियान 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' का शुभारंभ किया। पिछले वर्ष भी अप्रैल से लेकर नवंबर तक और इस वर्ष भी मार्च से लेकर नवंबर तक गरीब कल्याण अन्न योजना से देश के 80 करोड़ लोगों को लाभ पहुंचा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी भारत के प्रयासों की जमकर सराहना की।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 20 लाख करोड़ रुपये के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान से देश के अर्थचक्र को गतिशील किया गया, एमएसएमई के लिए तीन लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया जिसमें से 2.5 लाख करोड़ रुपये के 'कोलेटरल फ्री लोन' वितरित हो चुका है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एमएसएमई की

परिभाषा बदलते हुए इस सेक्टर के कल्याण के लिए कई कदम उठाये। एक लाख करोड़ रुपये के फंड से एग्रीकल्चरल इन्फ्रॉस्ट्रक्चर की योजना तैयार की गई है। लगभग 50 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को राहत देने के लिए 5,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जब कोरोना की दूसरी लहर में ऑक्सीजन का विषय आया, तब जहां विपक्ष मिथ्या आरोपों की राजनीति कर रहा था, लोगों को गुमराह कर अराजकता फैलाने में लगा हुआ था, वहीं दूसरी ओर आदरणीय प्रधानमंत्री जी देशवासियों की सुरक्षा में लगे हुए थे। केवल एक सप्ताह में ही 10 गुना ऑक्सीजन उत्पादन बढ़ा और जल-थल-नभ से हर जगह ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई।

हमने केवल 278 दिनों में 100 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार किया है। देश में अब 108 करोड़ से अधिक वैक्सीनेशन हो चुका है

दुनिया के सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से चलने वाले वैक्सीनेशन अभियान की चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि हमने केवल 278 दिनों में 100 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार किया है। देश में अब 108 करोड़ से अधिक वैक्सीनेशन हो चुका है। पर हमें यहां यह भी ध्यान देने की जरूरत है कि वैक्सीनेशन में देश की पहले की तस्वीर क्या थी और आज हम कहां तक पहुंचे हैं। पहले हम सोच ही नहीं पाते थे कि हम किसी बीमारी की कोई वैक्सीन बना भी सकते हैं। चिकन पॉक्स का टीका आने में देश में 10 वर्ष लग गए थे, बीसीजी वैक्सीन आने में 25 वर्ष से अधिक का समय लग गया था, हैपिटाइटिस बी और टिटनेस का टीका आने में भी वर्षों लग गए थे। पर जब देश में कोरोना ने दस्तक दी तो 16 अप्रैल, 2020 को ही माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वैक्सीन पर टाक्स फ़ोर्स का गठन किया और 9 महीने से भी कम समय में देश में एक नहीं दो-दो विश्वस्तरीय 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन बनकर तैयार हुई और 16 जनवरी, 2021 से देश में वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत हुई। ये है बदलता भारत, यह है आदरणीय प्रधानमंत्री जी की दूरदृष्टि और भारत के 'स्व' को जागृत करने का तरीका। माननीय प्रधानमंत्री जी ने स्वयं पिछले साल तीन वैक्सीन फैसिलिटी का निरीक्षण किया और उनकी प्रेरणा से हम विश्वस्तरीय वैक्सीन बनाने में कामयाब हुए। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश एकजुट होकर जहां कोविड को परास्त करने की लड़ाई लड़ रहा था, वहीं विपक्ष वैक्सीन और वैक्सीनेशन पर देश एवं देशवासियों को गुमराह कर निकृष्ट राजनीति करने में लगा था। पहले तो विपक्ष द्वारा वैक्सीन के ट्रायल्स पर सवाल उठाये गए, फिर देशवासियों को लैब रैट्स और गिनी पिग्स, न जाने क्या-क्या कहा गया। कोविड वैक्सीन को 'मोदी वैक्सीन' और 'बीजेपी वैक्सीन' कहा गया। मैं विपक्ष को कहना चाहता हूं कि आप जितनी भी राजनीति करो लेकिन देश के इतिहास में दर्ज होगा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से देश में स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण हुआ और मुफ्त में देश की इतनी बड़ी आबादी को वैक्सीन मिली। हमने केवल 278 दिनों में 100 करोड़ टीकाकरण और पांच बार, एक दिन में हमने एक करोड़ से अधिक का वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार किया। यह 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के दिन 17 सितंबर को देश ने एक दिन में ढाई करोड़ वैक्सीनेशन के आंकड़े को पारकर दुनिया के वैक्सीनेशन कार्यक्रम

में एक नया आयाम जोड़ा। हम अमेरिका से दोगुना, जापान से पांच गुना, जर्मनी से लगभग 9 गुना और फ्रांस का लगभग 10 गुना कोविड वैक्सीनेशन कर चुके हैं। दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेज गति से चलने वाले कोविड वैक्सीनेशन अभियान के लिए मैं अपनी ओर से और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की ओर से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद करता हूं। अब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने निर्णय लिया है कि 'अब हर घर दस्तक' के माध्यम से हम घर-घर जायेंगे और वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के 10 लाख हेल्थ वालंटियर्स इसमें सहयोग करेंगे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान भारतीय जनता पार्टी ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सेवा ही संगठन' अभियान की विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस दौरान विपक्ष जहां 'आइसोलेशन' में चला गया था, वह केवल सोशल मीडिया और टीवी पर ही दिखाई देते थे जबकि भारतीय जनता पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं ने अपनी जान की परवाह किये बगैर मानवता की सेवा की अद्भुत मिसाल पेश की। कोविड संक्रमण के दौरान भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने 22 करोड़ फूड पैकेट्स, लगभग 5.31 करोड़ राशन किट्स और 7 करोड़ फेस मास्क वितरित किये। इसके अतिरिक्त लाखों हजारों ब्लड डोनेशन कैम्प्स आयोजित किये गए और हजारों हेल्पलाइन सेंटर्स के माध्यम से जन-जन की मदद की गई। लगभग 20 लाख प्रिवेंशन किट्स का वितरण किया गया। पार्टी के लाखों कार्यकर्ता बुजुर्गों की देखभाल में भी लगे।

लोकतंत्र में लोकप्रियता का एक पैमाना चुनावों में राजनीतिक दल का प्रदर्शन भी होता है। कोविड संक्रमण के दौरान कई राज्यों के विधान सभा चुनाव और उप-चुनाव हुए। भाजपा ने इसमें शानदार प्रदर्शन किया

श्री नड्डा ने कहा कि किसी भी लोकतंत्र में लोकप्रियता का एक पैमाना चुनावों में राजनीतिक दल का प्रदर्शन भी होता है। कोविड संक्रमण के दौरान कई राज्यों के विधान सभा चुनाव और उप-चुनाव हुए। भाजपा ने इसमें शानदार प्रदर्शन किया। बिहार विधान सभा चुनाव में भाजपा ने सबसे अच्छे स्ट्राइक रेट के साथ 74 सीटों पर जीत दर्ज की और पूर्ण बहुमत के साथ वहां एनडीए की सरकार बनी। इसके साथ ही देश के 11 राज्यों में 58 सीटों पर विधान सभा उपचुनाव भी हुए थे, जिसमें भाजपा ने 40 सीटों पर शानदार विजय प्राप्त की। इसके अतिरिक्त लद्दाख हिल काउंसिल, ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कारपोरेशन चुनाव, असम के स्थानीय निकाय चुनाव, गोवा के स्थानीय निकाय चुनाव, गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव, अरुणाचल प्रदेश स्थानीय निकाय चुनाव, जम्मू-कश्मीर में बीडीसी और डीडीसी के चुनाव, उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनाव- सबमें भारतीय जनता पार्टी ने भारी जीत दर्ज की। जम्मू-कश्मीर के डीडीसी चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। तेलंगाना में पहले हुए दुब्बका सीट पर विधान सभा उप-चुनाव और अब हुजूराबाद की सीट पर हुए उप-चुनावों में भी ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इसके बाद पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव हुए। असम में हमने पूर्ण बहुमत के साथ पुनः चुनाव जीता। पुदुच्चेरी में पहली बार भारतीय जनता पार्टी गठबंधन की सरकार बनी और आजादी के बाद पहली बार भाजपा से पुदुच्चेरी से चुनकर राज्य सभा पहुंचे। पश्चिम बंगाल में श्री अमित भाई शाह के अथक परिश्रम से हम तीन साल में 3 से 77 तक पहुंचे और भाजपा मुख्य विपक्षी पार्टी बनी। तमिलनाडु में भी भाजपा ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। हाल ही में हुए उप-चुनावों में भी भाजपा ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। असम की सभी पांच सीटें भाजपा और एनडीए ने जीतीं हैं तो बिहार की दोनों सीटों पर हमारा गठबंधन विजयी हुआ है। तेलंगाना की एकमात्र सीट पर हमने भारी जीत दर्ज की तो मध्य प्रदेश में तीन में से दो सीट और लोक सभा की एक सीट पर भी हम विजयी हुए। एलानाबाद, हरियाणा की सीट पर हमें पिछली बार से अधिक वोट प्राप्त हुए।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को अपने वैचारिक अधिष्ठान की स्थापना में भी उत्कृष्ट सफलता मिली है। श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नारा दिया था कि 'एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान' नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। उनका और देश के जन-जन का यह लक्ष्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं दृढ़ इच्छाशक्ति और गृह मंत्री श्री अमित शाह की रणनीति के बल पर जम्मू-कश्मीर से धारा 370 धाराशायी हुआ और वहां भी देश के बाकी हिस्से की तरह सभी कानून लागू हुए। अब वहां भी दलित, आदिवासी एवं पिछड़े वर्ग के लोगों को सभी अधिकार मिले हैं। उनके लिए विधानसभा के दरवाजे खुले हैं, 'पॉक्सो' लागू हुआ। जम्मू-कश्मीर में शांति, समृद्धि और विकास माननीय श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। आज जम्मू-कश्मीर उनके नेतृत्व में विकास के पथ पर तीव्र गति से अग्रसर हुआ है।

श्री नड्डा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने मुस्लिम महिलाओं को ट्रिपल तलाक से आजादी दिलाकर सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है। सिटिजन एमेंडमेंट एक्ट भी लागू किया गया। अफगानिस्तान के संकट को देखते हुए हम समझ सकते हैं कि यह कानून कितना महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। 23 वर्ष से ब्रू-रियांग समझौता लटका हुआ था। माननीय प्रधानमंत्री जी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और गृह मंत्री जी के क्रियान्वयन के बल पर यह समझौता शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। इसी तरह 50 वर्षों से जारी बोडो आंदोलन का भी शांतिपूर्ण समझौता से समाधान हुआ। पुनर्वास के लिए मोदी सरकार की ओर से 1500 करोड़ रुपये की शुरुआती मदद दी गई और असम में शांति के एक नए अध्याय की

शुरुआत हुई।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कहने को तो कई किसान नेता हुए लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 7 सालों में कृषि एवं किसान कल्याण के लिए जो कार्य किये, उतने कार्य आजादी के 70 सालों में भी किसी ने नहीं किये। 2014 से पहले कृषि बजट केवल 23,000 करोड़ रुपये का था जो कि आज बढ़कर 1,23,000 करोड़ रुपये का हो गया है। किसान सम्मान निधि के तहत बिना किसी बिचौलिए के सीधे लगभग 10 करोड़ किसानों के एकाउंट में अब तक 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है। फसल बीमा योजना से देश के करोड़ों किसान लाभान्वित हुए हैं। इस बार रिकॉर्ड मात्रा में एमएसपी पर फसलों की खरीद हुई है। 2016-17 में जहां केवल 35,000 करोड़ रुपये की खरीदी हुई थी और इससे लगभग 20 लाख किसानों को लाभ पहुंचा था, वहीं इस बार लगभग 85,000 करोड़ रुपये की फसल खरीदी एमएसपी पर हुई है और इससे लगभग 39 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। लगभग 22 करोड़ किसानों को अब तक स्वायल हेल्थ कार्ड मिल चुका है। क्या आज से पहले किसी ने सोचा भी था कि किसानों को पेंशन मिल सकती है लेकिन हमारे प्रधानमंत्री जी ने किसान मानधन योजना के जरिये उनके लिए भी पेंशन की व्यवस्था की। साथ ही, ब्लू रिवोल्यूशन, पशुपालन विकास और नीम कोटेड यूरिया आदि योजना भी किसानों के लिए बहुत बड़ी संबल साबित हुई है।

श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने देश के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किया है। अनुसूचित वर्ग को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने का उन्होंने महती कार्य किया जबकि अब तक बाकी दलों ने उनका इस्तेमाल केवल वोट बैंक के लिए ही किया था। किसी ने उनके सशक्तिकरण का बीड़ा नहीं उठाया था। सच्चे अर्थों में यदि किसी ने भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को दुनिया भर में स्थापित करने का काम किया है तो वे हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं। हमारे प्रधानमंत्री जी ने 'पंचतीर्थ' का विकास कर बाबासाहब को जन-जन तक पहुंचाया है। एससी वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति को काफी बढ़ाया गया है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए वन-धन योजना, वन बंधु कल्याण योजना, शिक्षा के लिए एकलव्य मॉडल स्कूल, सस्टेनेबल ग्रोथ के कार्यक्रम, स्वच्छ पीने का पानी आदि योजनायें शुरू की गई हैं, जिसके शानदार परिणाम अब मिलने शुरू हो गए हैं। सामान्य वर्ग के गरीब छात्रों के लिए भी 10% आरक्षण की व्यवस्था की गई है जिससे हर गरीब को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि युवाओं के लिए स्टार्ट-अप, स्टैंड-अप और स्किल डेवलपमेंट योजना शुरू की गई है। उनके क्वालिटी एजुकेशन की व्यवस्था हुई है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी से देश की मिट्टी की सुगंध से सुवासित शिक्षा कार्यक्रम की शुरुआत पहली बार देश में हुई है। हर बार राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर विवाद होता था, लेकिन इस बार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सबने एकमत से स्वीकार किया। अब छात्रों को उनकी अपनी मातृभाषा में उच्च शिक्षा भी मिल सकेगी। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, मातृ वंदन योजना, स्वच्छ भारत योजना, उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना, सेल्फ हेल्प ग्रुप्स इत्यादि के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का अनुकरणीय कार्य हो रहा है। उज्ज्वला योजना से देश की लगभग 9 करोड़ गरीब महिलाओं को लकड़ी के धुंए से मुक्ति मिली है।

सिख समाज के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किये गए कार्यों की भरपूर सराहना करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सिख भाइयों के हित में जितने कार्य किये, उतने किसी ने नहीं किये। विपक्ष का काम केवल सिख भाइयों को गुमराह करना रह गया है। श्री श्री हरमंदिर साहिब को फॉरेन कंट्रीब्यूशन लेने का पहले कोई प्रावधान नहीं था लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से एफसीआरए रजिस्ट्रेशन ग्रांट हुआ और अब श्री श्री हरमंदिर साहिब को विदेशी योगदान मिलना शुरू हो गया है। यह कार्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के समय में हुआ जबकि कई सिख भाई भी शासन में आये थे लेकिन ये कार्य न हो सका। पहले लंगर पर भी टैक्स लगता था, इसे टैक्स फ्री करने का काम हमारे प्रधानमंत्री जी ने किया है। आजादी से लेकर 70 सालों तक डेरा नानक साहब और करतारपुर साहिब का दर्शन करने का अवसर हमारे सिख भाइयों को नहीं मिल पाया था, यह रास्ता अब तक नहीं मिल पाया था लेकिन माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से 120 करोड़ रुपये की निधि से यह कॉरिडोर बनकर तैयार हुआ और सिख भाइयों को डेरा नानक साहब और करतारपुर साहिब का दर्शन करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। गुरु गोविंद सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व को धूमधाम के साथ पूरे देश में मनाया गया। इसके लिए श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की। साथ ही, रेलवे ने भी 40 करोड़ रुपये की अलग से व्यवस्था कर इसमें अपना योगदान दिया। गुजरात के जामनगर में माननीय प्रधानमंत्री जी ने 750 बेड का एक अस्पताल सिख भाइयों को समर्पित किया। 1984 से ब्लैकलिस्ट में से कई लोगों के नाम हटाये जाने की मांग सिख भाइयों की थी लेकिन आज तक यह कार्य न हुआ। माननीय प्रधानमंत्री जी की दृढ़ इच्छाशक्ति से ब्लैकलिस्ट से 314 नाम हटाये जा चुके हैं, अब उसमें केवल दो नाम रह गए हैं। हमारे सिख भाइयों के आंसू बह-बह के सूख गए लेकिन कांग्रेस की सरकारें 1984 के दंगों के दोषियों को सजा नहीं दिलवा पाई। हमारे प्रधानमंत्री

आजादी से लेकर 70 सालों तक डेरा नानक साहब और करतारपुर साहिब का दर्शन करने का अवसर हमारे सिख भाइयों को नहीं मिल पाया था, यह रास्ता अब तक नहीं मिल पाया था लेकिन माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से 120 करोड़ रुपये की निधि से यह कॉरिडोर बनकर तैयार हुआ

जी ने एसआईटी बनाई और दोषियों को सलाखों के पीछे डालने का कार्य किया। ये माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं जिन्होंने जालियांवाला बाग मेमोरियल का रिनोवेशन करवाया और इसे एक नए रूप में देश को समर्पित किया।

श्री नड्डा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डिफेंस सेक्टर में आमूल-चूल परिवर्तन आया है। वर्षों से लंबित ओआरओपी को हमारी सरकार ने लागू किया। डिफेंस सेक्टर में भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहा है। राफेल, सर्फेस टू एयर मिसाइल, फाइटर प्लेन्स, टैंक्स - सबमें भारत ने तीव्र प्रगति की है। 7 नई डिफेंस कंपनियां बनाई गई हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने अटल टनल राष्ट्र को समर्पित किया जिससे एक दिन की दूरी अब केवल लगभग 45 मिनटों में पूरी हो जायेगी।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी है चाहे पब्लिक सेक्टर्स के बैंकों को जनोपयोगी बनाना हो या पॉलिसी रिफॉर्म्स की नीति हो। आतंकवाद पर बात हो, पर्यावरण संतुलन पर बात हो, कोविड पर एजेंडा सेट करना हो या हाल ही में हुए G-20 और कॉप 26 की बैठकें, आज आदरणीय प्रधानमंत्री जी की बात हर जगह गंभीरता से सुनी जाती है और उनकी सलाह मानी जाती है। माननीय प्रधानमंत्री जी, आपने जिस तरह ग्लासगो में कॉप-26 की बैठक में दुनिया को दृष्टि और दिशा दिखाई, उसकी जितनी सराहना की जाय, कम है। आपके नेतृत्व में भारत आपके संकल्पों पर पूर्ण रूप से खरा उतरेगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव पर चर्चा करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पश्चिम बंगाल में विधान सभा चुनाव के बाद जिस तरह से राज्य सरकार के संरक्षण में हिंसा का तांडव मचाया गया, महिलाओं के साथ अनाचार किया गया, आगजनी की गई और निर्दोष नागरिकों की हत्या की गई, वह निंदनीय है, भर्त्सनीय है। मैं पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के माध्यम से यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हम चुप बैठने वाले नहीं हैं, हम प्रजातांत्रिक रूप से पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ेंगे और कमल खिलाएंगे। पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद लगभग 142 विधान सभाओं में हिंसा की घटनाएं हुई, 53 लोगों की निर्मम हत्या हुई, 7000 से अधिक केस रजिस्टर्ड किये गए, 123 सेक्सुअल एसॉल्ट की घटनाएं हुई और लगभग 90 हजार लोगों को घर छोड़ने के लिए विवश होना पड़ा। भाजपा 93 होम सेल्टर्स चला रही है। इन घटनाओं की कोई अन्य पार्टी चर्चा नहीं कर रही लेकिन भाजपा के कार्यकर्ता दिन-रात अपने कार्यकर्ताओं के कल्याण में जुटे हुए हैं। मैं पश्चिम बंगाल के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि हम पार्टी कार्यकर्ताओं के सहयोग से उनके लिए, उनके विकास के लिए और राज्य में शांति के लिए काम करते रहेंगे।

श्री नड्डा ने कहा कि हम अब तक जहां भी सत्ता में नहीं आ पाए हैं, वहां सरकार बनाने के लिए पूरा प्रयत्न करेंगे। आंध्र प्रदेश, ओड़िशा, तेलंगाना, केरल, पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने के लिए हम कृतसंकल्पित हैं। तेलंगाना में हाल में हुए दोनों विधान सभा सीटों पर भाजपा ने जिस तरह कमल खिलाया है, उससे यह निश्चित है कि आने वाले विधान सभा चुनाव में हम तेलंगाना में सरकार बनाने जा रहे हैं। केरल में जिस तरह तुष्टिकरण की राजनीति चल रही है, वह भर्त्सनीय है। वहां हमें भाजपा को और सशक्त और मजबूत बनाना है। तमिलनाडु में भाजपा को सफलता मिलनी शुरू हो गई है। महाराष्ट्र में जिस तरह से महाअघाड़ी सरकार महावसूली और भ्रष्टाचार में लिप्त है, उसे उखाड़ फेंकते हुए हमें महाराष्ट्र की जनता को निजात दिलानी है। राजस्थान में आये दिन महिलाओं के साथ अनाचार की घटनाएं हो रही हैं, दलितों पर अत्याचार हो रहा है लेकिन वहां की कांग्रेस सरकार कानों में रुई डाले बैठी है। हम वहां भी लोगों के कल्याण के लिए, उनके अधिकार की रक्षा के लिए प्रजातांत्रिक लड़ाई लड़ रहे हैं और लड़ते रहेंगे। हम राजस्थान में भी सरकार बनाने के लिए कटिबद्ध हैं। झारखंड और छत्तीसगढ़ में सांप्रदायिक तनाव, नक्सलवाद और भ्रष्टाचार चरम पर है। हमें इन राज्यों में सरकार की नाकामी को मुद्दा बनाते हुए भाजपा की सरकार बनायेंगे।

यह हमारे लिए खुशी की बात है कि 8 लाख बूथ पर बूथ कमिटी की रचना का काम पूरा हो गया है। बाकी जो भी कुछ बूथ बच गए हैं, वहां भी जल्द से जल्द बूथ कमिटियां बनाने का काम पूरा हो जाएगा। बूथों पर बूथ कमिटी द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं एवं बूथ के विशिष्ट जनों के साथ माननीय प्रधानमंत्री जी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' सुनने का कार्यक्रम सराहनीय है

मैं पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए करना चाहता हूं कि हमें 'हर घर दस्तक' कार्यक्रम को सफल बनाना है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि 8 लाख बूथ पर बूथ कमिटी की रचना का काम पूरा हो गया है। बाकी जो भी कुछ बूथ बच गए हैं, वहां भी जल्द से जल्द बूथ कमिटियां बनाने का काम पूरा हो जाएगा। बूथों पर बूथ कमिटी द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं एवं बूथ के विशिष्ट जनों के साथ माननीय प्रधानमंत्री जी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' सुनने का कार्यक्रम सराहनीय है। मैं सभी बूथ कमिटियों से आग्रह करना चाहूंगा कि वे अपने-अपने बूथों पर नियमित रूप से 'मन की बात' कार्यक्रम को बूथ के लोगों के साथ सुनने का आयोजन करें और इसे जन-जन का कार्यक्रम बनाएं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी प्रगति के पथ पर गतिशील होते हुए सफलता के नए अध्याय लिखने के लिए तत्पर है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित होगा। ■

'प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विभिन्न वैश्विक मंचों पर भारत की छवि एक सक्षम और सशक्त राष्ट्र की उभरकर आई है'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 07 नवंबर, 2021 को भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में पार्टी का राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, श्री अनुराग ठाकुर, श्री अश्विनी वैष्णव, मणिपुर के मुख्यमंत्री श्री बीरेन सिंह, गोवा के मंत्री श्री प्रमोद सावंत और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी सहित भाजपा के छह वरिष्ठ नेताओं ने राजनीतिक संकल्प पर अपनी बात रखी। राजनीतिक प्रस्ताव का तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष श्री के. अन्नामलाई ने समर्थन किया और भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने इसे सर्वसम्मति से पारित किया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के समापन के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा, "भारत बड़े पैमाने पर बदलावों को देख रहा है और डिजिटल इंडिया मिशन से इन प्रयासों को तेजी मिल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' मिशनों की मदद से 'आत्मनिर्भर भारत' देश को मजबूत करेगा।" प्रस्तुत है राजनीतिक प्रस्ताव के प्रमुख अंशः

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विभिन्न वैश्विक मंचों पर भारत की छवि एक सक्षम और सशक्त राष्ट्र की उभरकर आई है। कोरोना संकट के दौर में भारत के सामर्थ्य और क्षमताओं से पूरी दुनिया परिचित हुई है। भारत मानवता की रक्षा तथा पर्यावरण और प्रकृति के संरक्षण की दिशा में विश्व को मार्गदर्शन देने वाला अग्रणी देश बनकर उभरा है। पेरिस जलवायु सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री जी ने विश्व का वनक्षेत्र बढ़ाने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देने का संदेश दिया था, तो अभी ग्लासगो में हुए COP-26 जलवायु सम्मेलन में उन्होंने जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ाई में 'पंचामृत' का संकल्प व्यक्त किया है। आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को जमीन पर उतारने, देश के वैक्सीनेशन कार्यक्रम को दुनिया के लिए उदाहरण बनाने और देश के लिए चुनौतियों को अवसर में बदलने की दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ-साथ 'सेवा परमो धर्मः' के सूत्र को चरितार्थ करते हुए देश को एक मजबूत, सशक्त, निर्णायक और लोकाभिमुख नेतृत्व देने के लिए भारतीय जनता पार्टी की यह राष्ट्रीय कार्यसमिति माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन करती है। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति जलवायु परिवर्तन के विषय पर विश्व को दिशा दिखाने और भारत को नेतृत्वकर्ता की भूमिका में लाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन करती है।

टीका उत्सव के उदघोष व वैक्सीनेशन एवं जन-जन का कल्याण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्पित एवं सशक्त नेतृत्व में भारत ने केवल 278 दिनों में (कुल 41 लाख मानव कार्य दिवस का कार्य कर) 100 करोड़ वैक्सीनेशन का माइलस्टोन पार कर इतिहास रच दिया है। ये उपलब्धि भारत की है, भारत के प्रत्येक नागरिक की है। हमारे टीकाकरण अभियान ने टीम इंडिया की ताकत दुनिया को दिखाई है। साथ ही, हमने 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया' के भारतीय दर्शन पर चलते हुए विश्व के अनेक देशों की दवाइयों से लेकर वैक्सीन तक विभिन्न प्रकार से पूरी सहायता भी की है। माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से तीन महीने से भी कम समय में हमने N95 फेस मास्क, पीपीई किट्स, वेंटीलेटर्स, ऑक्सीजन बेड्स और टेस्टिंग में आत्मनिर्भरता हासिल की। देश के हर जिला अस्पताल में अपना ऑक्सीजन प्लांट्स लगाया जा रहा है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचा मिशन को 27 अक्टूबर को

कुल 64000 करोड़ रुपये के निवेश की लागत को लागू कर भारत के 130 करोड़ नागरिकों के जीवन सुरक्षा के लिये अभिभावक के रूप में शुरुआत की है।

रोम में हुए जी-20 सम्मेलन में कोरोना से लड़ाई में वैश्विक एकजुटता के लिए प्रधानमंत्री जी द्वारा 'One Earth One Health' का संदेश भी दिया गया जो दुनिया को दिशा दिखाने वाला है। वैक्सीन के लिए भारत की तरफ अपेक्षा के साथ देख रहे विश्व समुदाय को आश्वस्त करते हुए जी-20 के मंच से हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत अगले साल विश्व समुदाय के लिए 5 अरब से ज्यादा टीकों की खुराक तैयार करने की दिशा में काम कर रहा है। हमने देखा है कि कई बीमारियों का टीका देश में आने में पहले कई-कई साल लग जाते थे। इसके लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने बजट में 35,000 करोड़ रुपये का प्रावधान कर भारत की विशाल आबादी को सुरक्षित रखते हुए विश्व के अन्य देशों का भी सहयोग किया, उसकी विश्व पटल पर मुक्तकंठ से सराहना हो रही है।

कोरोना काल में गरीब कल्याण

कोरोना की चुनौती के समय भी हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का एक ही ध्येय, एक ही संकल्प था कि कोई गरीब, कोई मजदूर भूखा न सोने पाए। हर जरूरतमंद तक आवश्यक खाद्यान्न पहुंचाने के लिए उन्होंने विश्व के सबसे बड़े राशन वितरण अभियान 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' को जमीन पर उतारा जिसके तहत देश के लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन सामग्री घरेलू उपयोग हेतु उपलब्ध कराई है व इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत महिला जन-धन खाताधारकों, दिव्यांगों, विधवाओं और बुजुर्गों को आर्थिक सहायता दी गई। साथ ही महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप्स, स्ट्रीट वेंडर्स और प्रवासी मजदूरों की भी मदद की गई। कोरोना काल में गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस सिलिंडर्स भी दिए गए। कोरोना से अनाथ हुए बच्चों की देखभाल के लिए 'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन' अभियान हो या प्रवासी मजदूरों के कल्याण के लिए गरीब कल्याण रोजगार योजना या फिर 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' का क्रियान्वयन हर अभियान ने हमारी मोदी सरकार की संवेदनशीलता की नई कहानी लिखी है।

सृजित हो रहे रोजगार के नए अवसर

कोरोना आपदा के संकट पर दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्था ने नोट छापो व कर्जा बढ़ाओ की नीति को अपनाया, वहीं इसके विपरीत मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत, विदेशी निवेश एवं मूलभूत सुधारों पर जोर देते हुये 80 करोड़ गरीबों को राशन, गैस सिलैंडर व सीधा बैंक में पैसा भेजकर अर्थव्यवस्था, जीवन व जीविका दोनों को संभालने का काम किया। मोदी सरकार के इकोनॉमी पर तेज और सटीक फैसलों से देश में रोजगार के कई नए अवसर सृजित हो रहे हैं। मुद्रा योजना, डिजिटल इंडिया और सरकार द्वारा स्टार्ट-अप्स के लिए किये जा रहे प्रयासों से आज देश के युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बन रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति सुदृढ़, सर्व-स्पर्शी और सर्व समावेशी अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी को हार्दिक बधाई देती है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा, शांति और विकास का अध्याय

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में सुरक्षा, शांति और समृद्धि का वातावरण बना है। धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बीडीसी और डीडीसी के चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुए और वहां की आवाम ने निडर होकर लोकतंत्र के इस यज्ञ में अपनी भागीदारी दी। पिछले दो सालों में जम्मू-कश्मीर में 56,261 करोड़ रुपये की लागत वाली 54 परियोजनाओं की शुरुआत हुई। जनवरी 2021 में 28,400 करोड़ रुपये की उद्योग प्रोत्साहन योजना शुरू हुई। इससे पहले 2020 में जम्मू-कश्मीर के लिए 80,000 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज दिया गया था। जम्मू कश्मीर में शत प्रतिशत जनता को आयुष्मान भारत योजना में लाकर उनके स्वास्थ्य की चिंता से मुक्ति दिलाई गई है। जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं में भी भारी कमी आई है और इन घटनाओं में होने वाली मौतों का आंकड़ा भी काफी कम हुआ है। 2004 से 2014 के बीच आतंकी घटनाओं में जम्मू-कश्मीर में 2,081 लोगों की मौत हुई जबकि 2014 से लेकर सितंबर, 2021 तक 239 नागरिकों की जानें गई। यह जम्मू-कश्मीर में शांति की स्थापना का परिचायक है।

भ्रष्टाचारमुक्त पारदर्शी व्यवस्था का निर्माण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सर्व स्पर्शी और सर्व समावेशी विकास को लक्षित करते हुए लास्ट माइल डिलीवरी की प्राथमिकता के साथ JAM यानी जन-धन, आधार और डीबीटी से सही और सभी लाभार्थियों तक केंद्र सरकार की लोकाभिमुख योजनाओं का सीधा और पूरा लाभ पहुंचाया है। डिजिटल इंडिया ने देश की अर्थव्यवस्था को पारदर्शी बनाया और युवाओं के लिए नए अवसर खोले।

स्वस्थ भारत

आयुष्मान भारत योजना ने देश के हर गरीब को स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से मुक्त बनाया। देश में फिट इंडिया (स्वस्थ भारत) को जन आंदोलन बनाया गया है। जन औषधि योजना के माध्यम से गरीब को, मध्यम वर्ग को सस्ती दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही है। अभी तक 75 हजार से ज्यादा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स बनाए जा चुके हैं। किसी भी संकट से निपटने के लिए हर जिला अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगाए गए हैं। कार्यसमिति इन भागीरथी प्रयासों की सराहना करती है।

विकास यात्रा

गतिशक्ति योजना, आकांक्षी जिलों के विकास, स्वनिधि योजना, स्वामित्व कार्ड, हर घर जल मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, सौभाग्य योजना, आत्मनिर्भर भारत अभियान, वोकल फॉर लोकल अभियान आदि योजनाओं ने देश की विकास यात्रा को नया आयाम दिया है। हर गांव-हर घर में बिजली पहुंचाई गई है। भारतीय जनता पार्टी ये सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है कि हर करियर और कार्यक्षेत्र में महिलाओं की समान सहभागिता हो। अब देश के सभी सैनिक स्कूलों में भी बेटियां पढ़ सकेंगी। गरीब एवं अनुसूचित जाति के छात्रों को 59 हजार करोड़ रुपये की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं काशी में संत गुरू रविदास जी उद्यान का निर्माण व काशी नगर में तथागत महात्मा बुद्ध जी के स्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर की महत्वता दिलाई एवं चाहे सामान्य वर्ग के लिए आर्थिक आधार पर 10% का आरक्षण हो, ओबीसी कमीशन को संवैधानिक मान्यता देना हो, एससी/एसटी और ओबीसी वर्ग के उत्थान के लिए उठाये गए कदम हो, मोदी सरकार ने सबको सम्मान के साथ जीने का अधिकार देते हुए उनके लिए आगे बढ़ने के अवसर सृजित किये हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत को पूरा करने हेतु नार्थ ईस्ट व पहाड़ी दुर्गम राज्यों पर विशेष ध्यान देकर हमारी मोदी सरकार की योजना के युगान्तरकारी परिणाम दिखने शुरू हो गये हैं। ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों को मिला कर 7 डिफेंस कंपनियों का गठन किया गया है। नेशनल पाम ऑयल मिशन, प्रोडक्ट लिंक इंसेंटिव और पोषणयुक्त चावल एवं खाद्यान्नों के वितरण जैसी योजनाओं ने अपनी अलग छाप छोड़ी है।

पूरे विश्व में बढ़ रहे पेट्रोल व डीजल के दामों से भारत की जनता को राहत दिलाने के लिये माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही संवेदनशील सरकार ने पेट्रोल पर 5 रुपये, डीजल पर 10 रुपये कम किये व उसी तरह भाजपा शासित राज्यों ने अपने राज्य के वैट को कम कर जनता को बड़ी राहत देकर देश के लोगों का दिल जीता।

कृषि विकास से किसान कल्याण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषि एवं किसानों के लिए पिछले 7 सालों में जितने काम हुए हैं, उतने आजादी के 70 सालों में भी नहीं हुए। फसल बीमा योजना में सुधार, एमएसपी को डेढ़ गुना करना, छोटे किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की व्यवस्था, विश्व भर में महंगी हुई डीएपी एवं यूरिया को खुद से सब्सिडी बढ़ाकर किसान को पुराने दाम पर ही देने का सराहनीय कार्य किया। सोलर पावर से जुड़ी योजनाएं, हर खेत तक पानी पहुंचाने की पहल, FPOs का गठन, इन सब प्रयासों से किसानों की आय दोगुना करने में सार्थक पहल हुई है। अभी हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 35 नई फसलों की वैरायटी को राष्ट्र को समर्पित किया है। देश के 70 से ज्यादा रेल रूटों पर किसान रेल चल रही है। किसान सम्मान निधि के तहत 9 किस्तों में 1.53 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि सीधे किसानों के एकाउंट में पहुंचाई जा चुकी है। पशु एम्बुलेंस को पशुपालक के द्वार पहुंचाने हेतु मोदी सरकार द्वारा 58 हजार करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट जारी किया गया है। राष्ट्रीय कार्यसमिति किसानों के लिए समर्पित भाव से काम करने वाले हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों की सराहना करती है।

विदेश नीति

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की विदेश नीति को अंतर्द्वंदों और गुटनिरपेक्षता की जड़ता से निकाल कर 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत पर आगे बढ़ाया है जो कभी भी किसी बाहरी दबाव में नहीं आता। आज का भारत दुनिया की बड़ी ताकत बनना चाहता है, न कि बैलेंसिंग पावर। हमारी विदेश नीति ने भारत के बारे में दुनिया की सोच बदली है, बराबरी के सिद्धांत पर नई वैश्विक साझेदारियां बनाई है, प्रभावी तरीके से अपने हित में ग्लोबल एजेंडा सेट किया है और दूसरे देशों में रह रहे भारतीयों को गर्व करने का अवसर दिया है। आज हमारी विदेश नीति में हमारी माटी की सुगंध, अपनी संस्कृति, विरासत और सोच झलकती है। पर्यावरण और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और आतंकवाद के साथ-साथ सभी वैश्विक विषयों पर आज हमारी आवाज पूरी दुनिया में गंभीरता से सुनी जाती है। माननीय प्रधानमंत्री जी की विदेश यात्रा से दुनिया के अन्य देशों के साथ हमारे संबंधों में प्रगाढ़ता आई है और भारत को देखने के दुनिया के नजरिये में बदलाव आया है।

सेवा ही संगठन

कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सेवा ही संगठन' के आह्वान पर खरा उतरते हुए हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की भी परवाह न करते हुए दिन-रात एक करके जिस तरह जन-जन की सेवा की, वह अतुलनीय है। पार्टी के लगभग साढ़े 12 लाख कार्यकर्ता कोविड जागरुकता अभियान और टीकाकरण अभियान के सहयोग में लगे हुए हैं। स्वास्थ्य स्वयंसेवक योजना से लगभग 10 लाख से अधिक वालंटियर्स जुड़े हैं।

'सेवा ही संगठन' के मंत्र को जिस तरह से आगे बढ़ाकर हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने क्रियान्वित किया और विश्व के सबसे बड़े सेवा अभियान का नेतृत्व किया, इसके लिए भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा को हार्दिक धन्यवाद देती है।

सेवा और समर्पण

पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और अब देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारतीय शासन इतिहास में लंबे समय तक कार्य करने वाले निर्वाचित प्रमुख के तौर पर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संवैधानिक पद के 20 साल सेवा और समर्पण के निष्ठा भाव से

जिए हैं। पार्टी माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाती आई है। इस बार 20 दिनों तक 'सेवा और समर्पण अभियान' देश भर में मनाया गया। इसके तहत वैक्सीनेशन को गति दी गई, ब्लड डोनेशन कैम्प्स लगाए गए एवं मुफ्त राशन का वितरण किया गया।

पांच राज्यों में हुए विधान सभा चुनाव

असम, पुदुच्चेरी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में हुए विधान सभा चुनावों में भाजपा ने सराहनीय प्रदर्शन किया। बिहार में जहां एनडीए की सरकार बनी और भाजपा का स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा रहा, वहीं पश्चिम बंगाल में भाजपा ने 02 से 77 विधानसभा सदस्यों का सफ़र तय किया और प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बनी। असम में पूर्ण बहुमत से पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, तो पुदुच्चेरी में भी जनता ने हमें भरपूर जनादेश दिया और पहली बार एनडीए सरकार बनी। इसके अतिरिक्त देश भर में हुए उप-चुनावों और स्थानीय निकाय के चुनावों में भी भाजपा को शानदार विजय मिली। इन चुनावों की जीत यह प्रदर्शित करती है कि हमारी केंद्र सरकार से लेकर हमारी राज्य सरकारें और हमारे द्वारा प्रबंधित स्थानीय निकाय किस तरह लोगों के विश्वास पर निरंतर खरे उतरे हैं।

बंगाल हिंसा

पश्चिम बंगाल के विधान सभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस प्रायोजित हिंसा की राजनीति के बावजूद भाजपा मुख्य विपक्षी दल के रूप में प्रतिस्थापित हुई लेकिन चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की जीत के बाद जिस तरह से पूरे पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार के संरक्षण में बदले की भावना व राजनैतिक विद्वेष की निकृष्ट मानसिकता के कारण निर्दोष भाजपा कार्यकर्ताओं की जघन्य हत्या की गई, उनके घर-दुकानें लूटे गए, महिलाओं के साथ अनाचार किया गया, लोगों को पीटा गया, घरों में आग लगाई गई। इससे न केवल पश्चिम बंगाल की संस्कृति शर्मसार हुई है बल्कि यह मानवता पर भी काला धब्बा है और लोकतंत्र को शर्मसार करने वाला है। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति पश्चिम बंगाल में चुनावों के दौरान और चुनाव बाद हुई हिंसा में जान गंवाने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है। भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी है और हम अपराधियों को सजा दिलवा कर रहेंगे।

आगामी चुनावों में विजय का संकल्प

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधान सभा के चुनाव होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में हमारी गरीब कल्याणकारी और विकासोन्मुखी सरकार है। हम अपनी सरकारों के विकास कार्य और संगठन की मजबूती के बल पर इन राज्यों में बड़ी जीत की ओर अग्रसर हैं और तमाम सर्वे भी इसी बात की ओर इशारा कर रहे हैं।

विपक्ष की अवसरवादिता की राजनीति

जहां भारत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में सफलता के नए आयाम गढ़ रहा है, वहीं विपक्ष केवल और केवल असीम नफरत की मानसिकता से काम कर रहा है। जहां भारत अपने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वदेशी वैक्सीन, वैक्सीनेशन और जन भागीदारी के जरिये देशवासियों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच तैयार करने में लगा था, वहीं विपक्ष इस कोरोना महामारी के खिलाफ व टीकारकण अभियान को पटरी से उतारने के लिए हर तरह के कुत्सित प्रयास, दुष्प्रचार और साजिशें रचने में व्यस्त था। भारतीय जनता पार्टी की यह कार्यसमिति विपक्ष की गैर जिम्मेदार एवं लोकतंत्र को कमजोर करने वाली मानसिकता की कड़ी निंदा करती है।

आजादी का अमृत महोत्सव

आजादी के अमृत महोत्सव का अर्थ स्वतंत्रता की ऊर्जा का अमृत है। इसका अर्थ है स्वतंत्रता संग्राम के योद्धाओं की प्रेरणाओं का अमृत, नए विचारों और संकल्पों का अमृत और आत्मनिर्भरता का अमृत। 12 मार्च, 2021 से शुरू होकर आजादी का अमृत महोत्सव 15 अगस्त, 2023 तक अर्थात् 75 सप्ताह तक पूरे देश में मनाया जाएगा। इस अमृत काल में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा संकल्प है कि हम एक ऐसे भारत के निर्माण के लिए कटिबद्ध हों जहां सुविधाओं का स्तर गावों और शहर को बांटने वाला न हो, जहां नागरिकों के जीवन में सरकार बेवजह दखल न दे, जहां दुनिया का हर आधुनिक इंफ्रॉस्ट्रक्चर हो और जहां हम किसी से भी कम न हों।

चाहे भारत के सर्वांगीण एवं चहुंमुखी विकास की परिकल्पना हो, अर्थव्यवस्था में सुधार हो, देश के 130 करोड़ से अधिक नागरिकों के जीवन उत्थान का संकल्प हो, कोरोना प्रबंधन हो या फिर आंतरिक या बाह्य सुरक्षा का मामला हो। इन सभी विषयों में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतवर्ष ने जो संकल्प बोध, जवाबदेही और क्रियान्वयन दिखाया है, यह भारतवर्ष को विश्व की अग्रणी पंक्ति में प्रतिष्ठित करता है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने देश में हमारी सभ्यता, संस्कृति और अध्यात्म के संस्कार को भी पुनर्स्थापित किया है। बाबा केदारनाथ धाम की उनकी यात्रा इसका एक जीवंत उदाहरण है। वर्षों बाद आज दुनिया में भारत के योग और आयुर्वेद के दर्शन को आत्मसात किया जा रहा है, यह हमारे प्रधानमंत्री जी के अथक प्रयासों से ही संभव हो पाया है।

भारत के 130 करोड़ नागरिकों के भविष्य को संवारने, देश के गरीबों के जीवन में तरक्की, उत्कर्ष एवं उल्लास लाने और देश के युवा, पिछड़े व महिलाओं के सम्मान व तरक्की के लिए आसमान छूने का अवसर प्रदान करने हेतु भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मेहनत की पराकाष्ठा को रुकने नहीं देगी और भारत सफलताओं की तमाम सीढ़ियां 'चरैवेति-चरैवेति' के सिद्धांतों पर चढ़कर उत्कर्ष के आसमान को छुएगा। ■

पार्टी और जनता के बीच आस्था का सेतु बनें: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 07 नवंबर, 2021 को नई दिल्ली में एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के समापन सत्र में समापन भाषण दिया। बैठक के समापन के बाद केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री के भाषण की प्रमुख बातों को रखा। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री ने समाज की सेवा के लिए कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की, उनका मार्गदर्शन किया और भाजपा के महत्वाकांक्षी 'सेवा ही संगठन' अभियान पर विस्तार से बात की।" प्रस्तुत है इस भाषण के प्रमुख अंशः

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जोर देकर कहा कि भाजपा सेवा, संकल्प और समर्पण के मूल्यों पर चलती है। श्री मोदी ने कहा कि पार्टी आज जहां है, इसलिए है, क्योंकि यह किसी परिवार के इर्द-गिर्द केंद्रित नहीं है बल्कि लोगों के कल्याण के लिए काम करने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि पार्टी के मूल्य वादों को पूरा करने और जनता के लिए समर्पण के साथ काम करने में निहित हैं। पार्टी इस मुकाम तक इसलिए पहुंची है क्योंकि वह हमेशा से आम आदमी से जुड़ी रही है। भाजपा किसी परिवार के इर्द-गिर्द केंद्रित नहीं है। इसके मूल्य 'सेवा, संकल्प, समर्पण' हैं।

पार्टी कार्यकर्ताओं को आम आदमी और पार्टी के बीच आस्था का सेतु बनना चाहिए, क्योंकि हमारी पार्टी हमेशा से देश के आम आदमी से जुड़े मुद्दों को उठाती रही है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पार्टी और आम आदमी के बीच आस्था का सेतु बनकर काम करें। पार्टी के इतिहास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को आम आदमी और पार्टी के बीच आस्था का सेतु बनना चाहिए, क्योंकि हमारी पार्टी हमेशा से देश के आम आदमी से जुड़े मुद्दों को उठाती रही है।

महामारी के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कल्याण कार्यों का उल्लेख करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भाजपा ने लोगों की सेवा करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है।

चुनावी राज्यों के बारे में बात करते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी लोगों का विश्वास जीतेगी क्योंकि यह लोगों के करीब के मुद्दों को उठाकर आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने नमो ऐप पर शुरू की गई 'कमल पुष्प' पहल के बारे में भी बताया। यह ऐप उन पार्टी कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाया गया है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन पार्टी के लिए समर्पित कर दिया। श्री मोदी ने भाजपा के महत्वाकांक्षी 'सेवा ही संगठन' अभियान पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि दुनिया आज भारत की तारीफ कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, "यह मोदी कहे जाने वाले किसी व्यक्ति के कारण नहीं है, बल्कि लोगों की इच्छा और विश्वास और उनके अपने आप में विश्वास के कारण है।"

श्री मोदी ने कहा, "जनता के बीच रहें। उनके संपर्क में रहें और उन लोगों के साथ आत्मीयता रखें जिन्हें आप जानते हैं।" प्रधानमंत्री ने समाज की सेवा करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि चुनाव वाले राज्यों को जीतने में प्रदेश अध्यक्षों का विश्वास उनके द्वारा समाज में किए गए कार्यों से आता है। श्री मोदी ने कहा कि जब मैं चुनाव में जाने वाले पांच राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों और मुख्यमंत्रियों को सुन रहा था, तो मैंने महसूस किया कि उनका यह विश्वास पिछले पांच वर्षों में अपने राज्यों के लिए किए गए कार्यों की संतुष्टि से प्राप्त हुआ है। यह सेवा की सुंदरता है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि जो लोग पार्टी की स्थापना के बाद से उसके साथ थे, उन्हें सम्मानित करने की जरूरत है। सेवा ही सर्वोच्च पूजा है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने सेवा की एक नई संस्कृति का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि 'सेवा ही संगठन' ने कठिन समय में देश की सेवा की है।

पार्टी के इतिहास को रेखांकित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भाजपा को आज जो स्थान मिला है, वह इसलिए है क्योंकि पार्टी अपने शुरुआती दिनों से ही जनता से जुड़ी रही है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह भी कहा कि पार्टी को उन सभी का सम्मान करने की जरूरत है जो स्थापना के बाद से हमारे साथ थे, भले ही ये कार्यकर्ता चले गए हों, उन्होंने पार्टी के विकास के लिए जो काम किया उसका उल्लेख किया जाना चाहिए। ■

मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना का शुभारंभ

'तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली पार्टी देवभूमि का विकास नहीं कर सकती है'

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 30 अक्टूबर को देहरादून में घस्यारी कल्याण योजना का शुभारंभ किया और उत्तराखंड में डबल इंजन की सरकार में हो रहे विकास कार्यों की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि उत्तराखंड की जनता ने एक बार पुनः पूर्ण बहुमत की भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने का निर्णय ले लिया है। उन्होंने इसके साथ ही, राज्य की 670 बहुद्देश्यीय सहकारी समितियों के कंप्यूटराइजेशन सिस्टम के साथ-साथ कोऑपरेटिव ट्रेनिंग सेंटर का भी उद्घाटन किया। इस जन सभा में उत्तराखंड में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश भाजपा सरकार के मंत्रीगण, लोक सभा एवं राज्य सभा सांसद सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलायें भी उपस्थित रहीं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज यहां तीन कार्यक्रमों की शुरुआत एक साथ हुई है। पहला, उत्तराखंड की सभी पैक्स का कम्प्यूटरीकरण का काम, दूसरा मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना का शुभारंभ और तीसरा, कोऑपरेटिव ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन। हम सब जानते हैं कि उत्तराखंड में पहाड़ों में विपरीत मौसम में पशुओं के लिए चारा पहुंचाने में हमारी माताओं और बहनों को बहुत दिक्कत होती है। यहां लगभग लगभग 2,000 किसान लगभग 1,000 एकड़ भूमि पर मक्के की खेती करेंगे। इससे वैज्ञानिक तरीक़े से पौष्टिक पशु आहार बनाने की योजना बनी है जिसका फ़ायदा लगभग एक लाख किसानों तक पहुंचेगा। मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना के अंतर्गत 30 प्रतिशत सब्सिडी पर दो रुपए किलो की दर से पशु आहार दिया जाएगा और इसके कारण माताएं-बहनें कई सारी आपदाओं से बचेंगी।

श्री शाह ने कहा कि कम्प्यूटराइज़ेशन होने से पैक्स के सदस्यों को कभी घपले या घोटाले का सामना नहीं करना पड़ता। इससे ज़िला बैंकों के साथ, ज़िला बैंकों का राज्य सहकारी बैंकों के साथ और राज्य सहकारी बैंकों का नाबार्ड के साथ सीधा जुड़ाव होता है और किसानों की सभी योजनाएं पैक्स के माध्यम से किसानों तक सीधे पहुंचती हैं। देश में बहुत कम राज्य अभी तक इस काम को पूरा कर सके हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार एक कार्ययोजना बना रही है जिसके अंतर्गत देशभर के सभी पैक्स को कम्प्यूटराइज्ड करके उन्हें ज़िला बैंक, राज्य सहकारी बैंक और नाबार्ड के साथ जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि कोऑपरेटिव ट्रेनिंग सेंटर आज के समय में बहुत ही जरूरी है। सहकारिता को प्रशिक्षण के बिना बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। सहकारी आंदोलन को पिछली सरकारों ने क्षीण कर दिया लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज़ादी के अमृत वर्ष में एक नया सहकारिता मंत्रालय बनाकर सहकारिता

से जुड़े हुए देश के करोड़ों किसानों, महिलाओं, श्रमिकों, मछुआरों आदि के कल्याण के लिए बहुत बड़ा काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोग से चलने वाली सरकारों को आज तक याद नहीं आया कि अगर सहकारिता आंदोलन मूर्त रूप नहीं लेता है तो छोटे-मंझले किसानों, मछुआरों, माताओं-बहनों, पशुपालन में लगे भाइयों का क्या होगा लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाये। उन्होंने अलग से सहकारिता मंत्रालय का गठन किया, सेल्फ हेल्प ग्रुप्स को बढ़ावा दिया और पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन के साथ-साथ ब्लू रिवोल्यूशन के क्षेत्र में में भी अभिनव क्रांति का सूत्रपात किया। हमारे प्रधानमंत्री जी अत्यंत गरीब घर से आते हैं, उन्होंने गरीबी को जिया है, गरीबी का करीब से अनुभव किया है, इसलिए वे गरीबों का दर्द समझते हैं और उसको ध्यान में रख कर कल्याणकारी नीतियां बनाते हैं।

कांग्रेस पर हमला करते हुए श्री शाह ने कहा कि मैं कांग्रेस के नेताओं से पूछना चाहता हूँ कि जब उत्तराखंड पिछले दो वर्ष से बाढ़, भूस्खलन और कोरोना की त्रासदी से जूझ रहा था तो आप कहां थे, इसका जवाब उत्तराखंड की जनता को दीजिये। आपदा के समय तो आप प्रदेश की जनता के साथ खड़े नहीं हुए लेकिन चुनाव आते ही धरना-प्रदर्शन और प्रेस कांफ्रेंस शुरू कर देते हैं। कांग्रेस पार्टी घपलों-घोटालों और भ्रष्टाचार की बनी हुई है। कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार, घोटाले का पर्याय बनी हुई है। तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली कांग्रेस पार्टी देवभूमि का विकास नहीं कर सकती है। कांग्रेस किसी भी राज्य में कल्याण का कार्य नहीं कर सकती, ना वो गरीबों का सोच सकती है और न अच्छे प्रशासन का सोच सकती है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण नीतियां, उसका क्रियान्वयन और सुशासन केवल भारतीय जनता पार्टी ही दे सकती है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि गंगाजल के वितरण के लिए सहकारिता के माध्यम से एक नया काम शुरू हुआ है। इससे देशभर के मां गंगा में श्रद्धा रखने वाले श्रद्धालुओं को घर बैठे गंगाजल मिलेगा और उनके मोक्ष का रास्ता भी खुलेगा। ■

बूथ सदस्यता महाभियान - 'मेरा परिवार, भाजपा परिवार' का शुभारंभ

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज डिफेन्स एक्सपो ग्राउंड, लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी के राज्यव्यापी बूथ सदस्यता महाभियान - 'मेरा परिवार, भाजपा परिवार' का शुभारंभ किया और पार्टी कार्यकर्ताओं से एक बार पुनः 300 से अधिक सीटों पर विजय के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रभारी श्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उत्तर प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री राधा मोहन सिंह, उप-मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, उप-मुख्यमंत्री श्री दिनेश शर्मा, श्री अनुराग ठाकुर, श्री महेंद्रनाथ पांडेय, सभी पार्टी पदाधिकारी, केंद्र सरकार में मंत्रीगण, प्रदेश सरकार में मंत्रीगण और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। साथ ही, प्रदेश में कई जगहों से पार्टी कार्यकर्ता इस कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े।

श्री अमित शाह ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश में जिस तरह से प्रदेश के विकास और प्रदेश के गरीब, दलित, पिछड़े, महिला, युवा और आदिवासियों के कल्याण के लिए काम किया है, वह अभूतपूर्व है। इस परिवर्तन की शुरुआत 2014 में हुई थी, तब मैं प्रदेश भाजपा प्रभारी था। 2017 में जब प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी की भाजपा सरकार बनी तो उस वक्त मैं भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष था। 2019 में जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पुनः उत्तर प्रदेश की जनता के आशीर्वाद से दोबारा प्रधानमंत्री बने और भाजपा को अभूतपूर्व विजय मिली, तब भी मैं भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष था। हर बार उत्तर प्रदेश के चुनावों में भाजपा की विजय गाथा की शुरुआत बूथ सदस्यता अभियान से ही होती है। इस बार भी जब उत्तर प्रदेश का विधान सभा चुनाव बूथ सदस्यता महाभियान से होने जा रहा है।

श्री शाह ने कहा कि लोकतंत्र में सरकारें किसी एक परिवार के लिए नहीं होती, बल्कि सूबे के गरीब से गरीब व्यक्ति के लिए होती हैं। मैं सपा के नेताओं को कहना चाहता हूँ कि आप हमसे हिसाब मांगिये, हम अपने पांच साल के पल-पल का हिसाब यूपी की जनता को देने के लिए कटिबद्ध हैं लेकिन अखिलेश जी, आप पहले ये बताइये कि 5 साल में आप कितने दिन विदेश में रहें, आप बताइये कि जब उत्तर प्रदेश की जनता कोरोना महामारी और बाढ़ से जूझ रही थी तो आप कहां थे?

श्री शाह ने कहा कि भाजपा के 86 लाख कार्यकर्ता इस बूथ सदस्यता अभियान में लगे हुए हैं। भाजपा का सदस्यता अभियान आज, 29 अक्टूबर से शुरू होकर दिसंबर तक चलेगा। मैं पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान करना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में एक भी ऐसा घर नहीं बचना चाहिए जहां भाजपा की पट्टी न लगी हो।

श्री शाह ने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश का ऋणी हूं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी दोनों बार उत्तर प्रदेश की जनता के आशीर्वाद और स्नेह से पूर्ण बहुमत से चुनाव जीते हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए तीन गुना काम किया है। किसी को भी कल्पना नहीं थी कि अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण हो पायेगा। अखिलेश यादव एंड कंपनी तो हम पर ताने मारा करते थे कि 'मंदिर वहीं बनायेंगे लेकिन तारीख नहीं बताएँगे' लेकिन हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने अपने कर-कमलों से मंदिर की नींव भी डाल दी है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की विकास में भाजपा सरकार ने आमूल-चूल परिवर्तन किया है।

- 2017 में जब योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी, तब यूपी अर्थव्यवस्था में देश में सातवें स्थान पर थी लेकिन आज उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है।
- अखिलेश यादव की सरकार के समय उत्तर प्रदेश का बजट 10 लाख करोड़ रुपये का था लेकिन आज डबल इंजन की सरकार में यूपी का बजट 21.31 लाख करोड़ रुपये का है।
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में उत्तर प्रदेश सपा सरकार की विदाई के समय 14वें स्थान पर था, लेकिन योगी जी की सरकार के पांच वर्षों में यूपी इसमें दूसरे नंबर पर आ गया है।
- 2017 में यूपी में जब हमारी सरकार आई थी, तब प्रदेश की बेरोजगारी दर 18% थी, आज हम बेरोजगारी दर को घटाकर 4.1% तक करने में कामयाब रहे हैं।
- सपा-बसपा सरकार में उत्तर प्रदेश में केवल 12 मेडिकल कॉलेज थे, हमारी सरकार में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। हमारा लक्ष्य 2022 से पहले-पहले इस संख्या को बढ़ाकर 40 करना है।
- पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश में हवाई अड्डों की संख्या 4 से 9 पहुंची। एक्सप्रेस वे पहले केवल 2 थे, हमारी सरकार में 5 नए जोड़े हैं।
- हमारी सरकार में प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर भी बना है, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भी बना है और शिक्षा एवं मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर भी काफी बेहतर हुआ है। ■

केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में भारी कटौती की

भारत सरकार ने चार नवंबर से पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में क्रमशः 5 रुपये और 10 रुपये की कमी करने का महत्वपूर्ण फैसला किया। इससे पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें उसी हिसाब से कम हो गईं।

डीजल पर उत्पाद शुल्क में कमी पेट्रोल की तुलना में दोगुनी है। दरअसल, भारतीय किसानों ने अपनी कड़ी मेहनत से लॉकडाउन के दौरान भी आर्थिक विकास की गति को बनाए रखा और अब डीजल पर उत्पाद शुल्क में भारी कमी आने वाले रबी सीजन के दौरान किसानों को राहत देगी।

साथ ही, भारत सरकार ने अर्थव्यवस्था को और रफ्तार देने के लिए डीजल और पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क काफी कम करने का फैसला किया। इससे खपत बढ़ेगी और मुद्रास्फीति कम रहेगी, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग को मदद मिलेगी। इस फैसले से समग्र आर्थिक चक्र को और गति मिलने की उम्मीद है।

वास्तव में हाल के महीनों में कच्चे तेल की कीमतों में वैश्विक उछाल देखा गया। इसके परिणामस्वरूप हाल के हफ्तों में पेट्रोल और डीजल की घरेलू कीमतों में मुद्रास्फीति के दबाव में वृद्धि हुई थी। दुनिया में भी सभी प्रकार की ऊर्जा में कमी और कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई। भारत सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि देश में ऊर्जा की कमी न हो और पेट्रोल व डीजल जैसी चीजें हमारी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हों।

भारतीयों की उद्यमी क्षमता के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था ने कोविड-19 के चलते आई मंदी के माहौल से निकलकर एक महत्वपूर्ण रफ्तार पकड़ी है। अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में- वह चाहे विनिर्माण, सेवा या कृषि हों- महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा पांच नवंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती करने के केंद्र सरकार के निर्णय के बाद 22 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिये पेट्रोल तथा डीजल पर वैट में अतिरिक्त कटौती कर दी।

लेकिन ऐसे 14 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश हैं, जिन्होंने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले वैट में कोई कटौती नहीं की है। इन राज्यों में महाराष्ट्र, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, केरल, मेघालय, अंडमान एवं निकोबार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पंजाब और राजस्थान शामिल हैं।

पेट्रोल की कीमत में सबसे ज्यादा कटौती केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में की गई है। उसके बाद कर्नाटक और पुदुच्चेरी हैं। इन केंद्रशासित प्रदेशों/राज्य में पेट्रोल की कीमतों में क्रमशः 13.43 रुपये, 13.35 रुपये और 12.85 रुपये की कमी आ गई। डीजल की कीमत में सबसे अधिक कटौती केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में आई, जहां डीजल की कीमत 19.61 रुपये प्रति लीटर कम हो गई। लद्दाख के बाद कर्नाटक और पुदुच्चेरी हैं। ■

अक्टूबर में जीएसटी संग्रह बढ़कर 1.30 लाख करोड़ रुपये हुआ

वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अक्टूबर में बढ़कर 1.30 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो लगातार चौथे महीने एक लाख करोड़ रुपये से ऊपर है। उल्लेखनीय है कि जीएसटी के एक जुलाई, 2017 को लागू होने के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा संग्रह और अक्टूबर, 2020 की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के एक बयान के अनुसार अक्टूबर, 2021 में सकल जीएसटी राजस्व 1,30,127 करोड़ रुपये रहा, जिसमें सीजीएसटी 23,861 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 30,421 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 67,361 करोड़ रुपये (माल के आयात पर जमा 32,998 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 8,484 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्रित 699 करोड़ रुपये सहित) है।

गौरतलब है कि सीजीएसटी का अर्थ केंद्रीय वस्तु और सेवा कर, एसजीएसटी (राज्य वस्तु और सेवा कर) और आईजीएसटी (एकीकृत वस्तु और सेवा कर) है।

साथ ही, बयान में कहा गया कि जीएसटी संग्रह के आंकड़े आर्थिक सुधार के रुझानों से मेल खाते हैं और यह दूसरी लहर के बाद से हर महीने जनरेट होने वाले ई-वे बिलों के रुझानों से भी स्पष्ट है। मंत्रालय ने कहा कि यदि अर्धचालकों की आपूर्ति में बाधा से ऑटो तथा अन्य उत्पादों की बिक्री प्रभावित नहीं होती, तो राजस्व संग्रह और भी अधिक होता। ■

पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन का शुभारंभ

64,180 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 2021-22 के बजट में घोषित
पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन सबसे बड़ी अखिल भारतीय स्वास्थ्य अवसंरचना योजना है

गत 25 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश स्थित वाराणसी में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि 64,180 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 2021-22 के बजट में घोषित पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन सबसे बड़ी अखिल भारतीय स्वास्थ्य अवसंरचना योजना है जिसका उद्देश्य उभरते सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों पर ध्यान देने के लिए भारत की क्षमता को अति आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करना है। यह भारत के स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में एक आदर्श बदलाव लाएगा तथा इसे और अधिक मजबूत बनाएगा।

इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि आजादी के बाद के लंबे कालखंड में आरोग्य पर, स्वास्थ्य सुविधाओं पर उतना ध्यान नहीं दिया गया, जितनी देश को जरूरत थी और नागरिकों को उचित इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ता था जिससे उनकी स्थिति बिगड़ जाती थी और वित्तीय बोझ पड़ता था। इससे मध्यम वर्ग और गरीब लोगों के दिलों में इलाज को लेकर लगातार चिंता बनी हुई है। जिनकी सरकारें लंबे समय तक देश में रहीं, उन्होंने देश की स्वास्थ्य प्रणाली के सर्वांगीण विकास के बजाय इसे सुविधाओं से वंचित रखा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन का उद्देश्य इस कमी को दूर करना है। इसका उद्देश्य अगले चार-पांच वर्षों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य नेटवर्क को गांव से लेकर प्रखंड, जिले से लेकर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर तक मजबूत करना है।

नए मिशन के तहत सरकार द्वारा की गई पहल का वर्णन करते हुए श्री मोदी ने कहा कि देश के स्वास्थ्य क्षेत्र की अलग-अलग खामियों से निपटने के लिए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तीन बड़े पहलू हैं। पहला, डायग्नोस्टिक और ट्रीटमेंट के लिए विस्तृत सुविधाओं के निर्माण से जुड़ा है। इसके तहत गांवों और शहरों में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर खोले जा रहे हैं, जहां बीमारियों को शुरुआत में ही डिटेक्ट करने की सुविधा होगी। इन सेंटरों में फ्री मेडिकल कंसलटेशन, फ्री टेस्ट, फ्री दवा जैसी सुविधाएं मिलेंगी। गंभीर बीमारी के लिए 600 जिलों में 35 हजार नए क्रिटिकल केयर संबंधी बेड जोड़े जा रहे हैं और 125 जिलों में रेफरल सुविधाएं दी जाएंगी।

उन्होंने कहा कि योजना का दूसरा पहलू, रोगों की जांच के लिए टेस्टिंग नेटवर्क से जुड़ा है। इस मिशन के तहत बीमारियों की जांच, उनकी निगरानी कैसे हो, इसके लिए जरूरी बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा। देश के 730 जिलों को इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब और तीन हजार प्रखंडों को ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट मिलेगी। इसके अलावा, पांच क्षेत्रीय राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, 20 मेट्रोपोलिटन यूनिट और 15 बीएसएल प्रयोगशालाएं इस नेटवर्क को और मजबूत करेंगी।

श्री मोदी के अनुसार तीसरा पहलू, महामारी का अध्ययन करने वाले मौजूदा शोध संस्थानों के विस्तार से जुड़ा है। मौजूदा 80 वायरल डायग्नोस्टिक और अनुसंधान प्रयोगशालाओं को मजबूत किया जाएगा, जैव सुरक्षा स्तर की 15 प्रयोगशालाएं संचालित की जाएंगी, चार नए राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान की स्थापना की जा रही है। दक्षिण एशिया स्थित डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय अनुसंधान मंच भी इस नेटवर्क को मजबूत करेगा।

उन्होंने कहा कि इसका मतलब है, पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के माध्यम से देश के हर कोने में उपचार से लेकर महत्वपूर्ण अनुसंधान तक सेवाओं के लिए एक समग्र इकोसिस्टम का निर्माण किया जाएगा।

श्री मोदी ने कहा कि पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन स्वास्थ्य के साथ-साथ आत्मनिर्भरता का भी माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह समग्र स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने के प्रयास का एक हिस्सा है। जिसका अर्थ है स्वास्थ्य सेवा जो सभी के लिए सस्ती और सुलभ हो।

श्री मोदी ने कहा कि समग्र स्वास्थ्य सेवा स्वास्थ्य के साथ-साथ कल्याण पर भी ध्यान केंद्रित करती है। स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला, पोषण अभियान, मिशन इंद्रधनुष जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों को बीमारी से बचाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत दो करोड़ से अधिक गरीबों को मुफ्त इलाज मिला और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। ■

नौसेना को मिला अत्याधुनिक हथियारों से लैस विशाखापत्तनम युद्धपोत

सागरीय सीमा की सुरक्षा के लिए नौसेना को एक और विध्वंसक युद्धपोत मिल गया। 28 अक्टूबर, 2021 को मुंबई के मझगांव डॉक में निर्मित युद्धपोत विशाखापत्तनम को सभी ट्रायल के बाद नौसेना को सौंप दिया गया। 163 मीटर लंबे इस युद्धपोत में 7400 टन का पूर्ण भार विस्थापन और 30 समुद्री मील की अधिकतम गति है। परियोजना की कुल स्वदेशी सामग्री लगभग 75% है। 'फ्लोट' और 'मूव' श्रेणियों में बड़ी संख्या में स्वदेशी उपकरणों के अलावा विध्वंसक युद्धपोत को निम्न प्रमुख स्वदेशी हथियारों से लैस किया गया है:

- मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें (बीईएल, बेंगलुरु)
- ब्रह्मोस सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें (ब्रह्मोस एयरोस्पेस, नई दिल्ली)
- स्वदेशी टारपीडो ट्यूब लॉन्चर (लार्सन एंड टुब्रो, मुंबई)
- पनडुब्बी रोधी स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर (लार्सन एंड टुब्रो, मुंबई)
- 76 एमएम सुपर रैपिड गन माउंट (भेल, हरिद्वार)

दरअसल, परियोजना 15बी के तहत मझगांव डॉक्स लिमिटेड (एमडीएल) निर्देशित मिसाइल विध्वसंक युद्धपोतों का निर्माण कर रहा है। परियोजना 15बी के चार जहाजों के अनुबंध पर 28 जनवरी, 2011 को हस्ताक्षर किए गए थे। इन्हें विशाखापत्तनम श्रेणी के जहाजों के रूप में जाना जाता है। यह परियोजना पिछले दशक में शुरू किए गए कोलकाता श्रेणी (परियोजना 15ए) का अनुवर्ती है।

इस जहाज को भारतीय नौसेना की इन-हाउस डिजाइन संस्था नौसेना डिजाइन निदेशालय ने डिजाइन किया है और इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई ने किया है। देश के चारों कोनों के प्रमुख शहरों के नाम पर इन चार जहाजों का नामकरण किया गया है, जो हैं- विशाखापत्तनम, मोरमुगाओ, इंफाल और सूरत।

विशाखापत्तनम श्रेणी के इस जहाज की नींव अक्टूबर, 2013 में रखी गई थी और जहाज को अप्रैल, 2015 में लॉन्च किया गया था। जहाज को बड़े पैमाने प्रणोदन मशीनरी, कई प्लेटफॉर्म उपकरण और प्रमुख हथियार और सेंसर से युक्त बनाया गया है, जिस तरह से कोलकाता श्रेणी के जहाजों को बनाया गया है।

विशाखापत्तनम श्रेणी की इस जहाज की डिलीवरी भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने की दिशा में भारत सरकार और भारतीय नौसेना द्वारा किए जा रहे कार्यों की अभिपुष्टि है। कोविड चुनौतियों के बावजूद विध्वंसक युद्धपोत का समावेशन बड़ी संख्या में हितधारकों के सहयोगात्मक प्रयासों के प्रति एक सम्मान है। यह हिंद महासागर क्षेत्र में देश की समुद्री शक्ति को बढ़ाएगा। ■

सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए रक्षा अधिग्रहण परिषद् ने 7,965 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को दी मंजूरी

रक्षा अधिग्रहण परिषद् (डीएसी) ने दो नवंबर, 2021 को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सशस्त्र बलों की आधुनिकीकरण और अभियानगत आवश्यकताओं के लिए 7,965 करोड़ रुपये के पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) को मंजूरी प्रदान कर दी। ये सभी प्रस्ताव (100%) भारत में डिजाइन, विकास और निर्माण पर फोकस के साथ 'मेक इन इंडिया' के तहत हैं।

घरेलू स्रोतों से खरीद की प्रमुख मंजूरी में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से बारह लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर; भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से लिंक्स यू2 फायर कंट्रोल सिस्टम, जो नौसेना के युद्ध पोतों की आग का पता लगाने संबंधी क्षमताओं में वृद्धि करेगा तथा एचएएल से डोर्नियर एयरक्राफ्ट के मिड लाइफ अपग्रेडेशन की मंजूरी शामिल है।

'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को एक और प्रोत्साहन के रूप में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) द्वारा निर्मित किए जा रहे उन्नत सुपर रैपिड गन माउंट (एसआरजीएम) में जोड़े गए इन तोपों की मात्रा के साथ नौसेना तोपों की वैश्विक खरीद के मामले को बंद कर दिया गया है। ये एसआरजीएम निर्देशित युद्ध सामग्री और रेंज एक्सटेंशन का उपयोग करके तेजी से युद्धाभ्यास लक्ष्यों को प्राप्त करने की विशिष्ट क्षमताएं प्रदान करते हैं और इन्हें भारतीय नौसेना के युद्धपोतों पर फिट किया जाना है। ■

मुख्य बातें

- एचएएल से 12 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टरों की खरीद को मंजूरी
- बीईएल का लिंक्स यू2 फायर कंट्रोल सिस्टम नौसेना के युद्ध पोतों की आग का पता लगाने संबंधी क्षमताओं में वृद्धि करेगा
- तटीय निगरानी की नौसैनिक क्षमता बढ़ाने के लिए एचएएल से डोर्नियर विमानों के मिड लाइफ अपग्रेडेशन को मंजूरी
- नौसेना गन्स की वैश्विक खरीद का मामला बंद; बीएचईएल द्वारा निर्मित उन्नत शॉर्ट रेंज गन माउंट में गन्स जोड़ी गईं

सिद्धांत और नीतियां

पं. दीनदयाल उपाध्याय

जनवरी, 1965 में विजयवाड़ा में जनसंघ के बारहवें सार्वदेशिक अधिवेशन में स्वीकृत दस्तावेज

(गतांक से...)

अर्थव्यवस्था की कसौटी

राज्य व्यवस्था की भांति अर्थव्यवस्था का निष्कर्ष भी मानव का सर्वतोन्मुखी विकास होना चाहिए। मानव का सुख ही अर्थोत्पादन का प्रमुख लक्ष्य है तथा मानव शक्ति उसका प्रधान साधन है। प्रकृति के साधनों का उपयोग कर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति का प्रयास ही मानव की आर्थिक क्रियाओं का उद्देश्य रहा है। जो इस उद्देश्य की सफल पूर्ति के साथ-साथ मानव के सर्वांगीण विकास में सहायक हो सके, वहीं उपयुक्त व्यवस्था है। जिस व्यवस्था में आर्थिक क्षमता तो बढ़े, किंतु मानवता के अन्य अंगों के विकास की शक्ति कुंठित हो जाए, वह कल्याणकारी नहीं हो सकती। मानव ही हमारी व्यवस्था का केंद्र होना चाहिए।

संपूर्ण मानव का विचार न केवल एक अर्थपरायण मानव का सभी कृतियों का केंद्र बनाकर, विकसित पूंजीवादी अर्थव्यवस्था अधूरी है। अधिकतम लाभ की स्थायी आकांक्षा इस व्यवस्था की प्रेरक तथा प्रतिस्पर्धा की नियामक शक्ति है। यह भाव भारतीय जीवन दर्शन से बेमेल है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था से उत्पन्न समस्याओं की प्रतिक्रिया में कल्पित समाजवाद के उद्देश्य श्लाघ्य होने के उपरांत भी परिणाम में मानव हितकारी सिद्ध नहीं हुए। क्योंकि वैज्ञानिक समाजवाद के उद्गाता कार्ल मार्क्स का व्यक्ति और समाज का विश्लेषण मूलतः भौतिकवादी है और इसीलिए अधूरा है। वर्ग-संघर्ष की भूमिका में एक स्वेच्छया स्थायी सहयोग की भावना पैदा नहीं हो सकती।

पूंजीवादी और समाजवादी दोनों व्यवस्थाओं में पूंजी के स्वामित्व के विषय में मतभेद है, किंतु दोनों की परिणति केंद्रीकरण तथा एकाधिपत्य में होती है। फलतः दोनों मानव की उपेक्षा करती हैं। हमें ऐसी अर्थव्यवस्था चाहिए, जिसमें व्यक्ति की अपनी प्रेरणा बनी रहे तथा वह समाज के अन्य व्यक्तियों के साथ अपने संबंधों में मानवता का विकास कर सके। विकेंद्रित अर्थव्यवस्था ही इस लक्ष्य को सिद्ध कर सकती है।

विकेंद्रित अर्थव्यवस्था

शक्ति का केंद्रीकरण लोकतंत्र एवं मानव-स्वतंत्रता के अनुकूल है। राष्ट्रीय एकात्मकता के अधीन राजनीतिक एवं आर्थिक शक्तियों का भौगोलिक एवं व्यावसायिक दोनों ही दृष्टियों से विकेंद्रीकरण होना चाहिए। पाश्चात्य देशों में औद्योगीकरण की जो ऐतिहासिक प्रक्रिया रही है, उससे शक्तियों का केंद्रीकरण हुआ है। सीमित समवाय, प्रबंध अधिकरण तथा सूत्रधारी समवाय आदि की क़ानूनी व्यवस्थाओं ने इसका पोषण किया है। पूँजीवादी व्यवस्था के अनेक दोष केंद्रीकरण को देन हैं। समाजवाद की व्यवस्था ने केंद्रीकरण को रोकने की कोई चेष्टा नहीं की। उसने व्यक्तियों के हाथ से पूँजी के स्वामित्व को छीनकर राज्यों के हाथों में सौंपने मात्र से संतोष कर लिया। किंतु इससे राजनीतिक और आर्थिक दोनों शक्तियों के एक स्थान पर एकत्र होने के कारण केंद्रीकरण तथा उसके दोषों में और अधिक वृद्धि हुई है। रोग का इलाज विकेंद्रीकरण से ही संभव है। आर्थिक और सामाजिक संस्थाओं का इस उद्देश्य से पुनर्निर्धारण करना होगा। विज्ञान की आधुनिकतम खोजें और प्रौद्योगिकी विकेंद्रित उद्योगों के पक्ष में है। मानव व्यक्तित्व को बनाए रखने और उसके सर्वतोमुखी विकास की इस व्यवस्था में सर्वाधिक सुविधा है। निजी या सहकारी स्वामित्व में छोटे यंत्रचालित उद्योग, छोटा व्यापार और कृषि हमारी अर्थव्यवस्था के मूल आधार हों। बड़े उद्योगों का विचार अपवाद रूप में ही किया जाए।

प्रगति के मानदंड

जन्म लेनेवाले प्रत्येक व्यक्ति के भरण-पोषण की, उसके शिक्षण की, जिससे वह समाज के एक जिम्मेदार घटक के नाते अपना योगदान करते हुए अपने विकास में समर्थ हो सके, उसके लिए स्वस्थ एवं क्षमता की अवस्था में जीविकोपार्जन की और यदि किसी भी कारण वह संभव न हो तो भरण-पोषण की तथा उचित अवकाश की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी समाज की है। प्रत्येक सभ्य समाज इसका किसी-न किसी रूप में निर्वाह करता है। प्रगति के यही मुख्य मानदंड हैं। अतः न्यूनतम जीवन स्तर को गारंटी, शिक्षा, जीविकोपार्जन के लिए रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण को हमें मूलभूत अधिकार के रूप में स्वीकार करना होगा।

एकात्म मानववाद

हमारी संपूर्ण व्यवस्था का केंद्र मानव होना चाहिए, जो 'यत् पिन्डे तत् ब्रह्माण्डे' के न्यायानुसार समष्टि का जीवंत प्रतिनिधि एवं उसका उपकरण है। भौतिक उपकरण मानव के सुख के साधन हैं, साध्य नहीं। जिस व्यवस्था में भिन्न रुचिलोक का विचार केवल एक औसत

मानव से अथवा शरीर-मन-बुद्धि एवं आत्मायुक्त अनेक एषणाओं से प्रेरित पुरुषार्थ चतुष्ट्यशील पूर्ण मानव के स्थान पर एकांगी मानव का ही विचार किया जाए, वह अधूरी है। हमारा आधार एकात्म मानव है, जो अनेक एकात्म समष्टियों का एक साथ प्रतिनिधित्व करने की क्षमता रखता है। एकात्म मानववाद (Integral Humanism) के आधार पर हमें जीवन की सभी व्यवस्थाओं का विकास करना होगा।

मानवतावाद के नाम से कई विचारधाराएं प्रचलित रही हैं। किंतु उनका विचार भारतीय संस्कृति के चिंतन से अनुप्राणित न होने के कारण मूलतः भौतिकवादी है। मानव के नैतिक स्वरूप अथवा व्यवहार के लिए वे कोई तात्त्विक विवेचन प्रस्तुत नहीं कर पाई। आध्यात्मिकता को अमान्य कर मानव तथा मानव और जगत् के संबंधों एवं व्यवहार की संगति नहीं बिठाई जा सकती।

आह्वान

भारत के अधिकांश राजनीतिक दल पाश्चात्य विचारों को लेकर ही चलते हैं। वे वहां की किसी-न-किसी राजनीतिक विचारधारा से संबद्ध एवं यहां के दलों को अनुकृति मात्र है। वे भारत की मनीषा को पूर्ण नहीं कर सकते और न चौराहे पर खड़े विश्व मानव का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठा लेकर चलनेवाले भी कुछ राजनीतिक दल हैं। किंतु वे भारतीय संस्कृति की सनातनता को उसकी गतिहीनता समझ बैठे हैं और इसलिए बीते युग की रूढ़ियों अथवा यथास्थिति का समर्थन करते हैं। संस्कृति के क्रांतिकारी तत्त्व की ओर उनकी दृष्टि नहीं जाती। वास्तव में समाज में प्रचलित अनेक कुरीतियां, जैसे छुआछूत, जाति-भेद, दहेज, मृत्युभोज, नारी अवमानना आदि भारतीय संस्कृति और समाज के स्वास्थ्य की सूचक नहीं, बल्कि रोग लक्षण हैं। भारत के अनेक महापुरुष, जिनकी भारतीय परंपरा और संस्कृति के प्रति अनन्य निष्ठा थी, इन बुराइयों के विरुद्ध लड़े। आज के अनेक आर्थिक और सामाजिक विधानों की हम जांच करें तो पता चलेगा कि वे हमारी सांस्कृतिक चेतना के क्षीण होने के कारण युगानुकूल परिवर्तन और परिवर्धन की कमी से बनी हुई रूढ़ियां, परकीयों के साथ संघर्ष की परिस्थिति से उत्पन्न मांग को पूरा करने के लिए अपनाए गए उपाय अथवा परकीयों द्वारा थोपे गए या उनका अनुकरण कर स्वीकार की गई व्यवस्थाएं मात्र हैं। भारतीय संस्कृति के नाम पर उन्हें जिंदा नहीं रखा जा सकता।

एकात्म मानव विचार भारतीय और भारत-बाह्य सभी चिंतनधाराओं का सम्यक् आकलन करके चलता है। उनकी शक्ति और दुर्बलताओं को भी परखता है और एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करता है, जो मानव को अब तक के उसके चिंतन, अनुभव और उपलब्धि की मंजिल से आगे बढ़ा सके।

पाश्चात्य जगत् ने भौतिक उन्नति तो की, किंतु उसकी आध्यात्मिक अनुभूति पिछड़ गई। भारत भौतिक दृष्टि से पिछड़ गया और इसलिए उसकी आध्यात्मिकता शब्द मात्र रह गई। 'नाध्यमात्मा बलहीनेन लभ्यः' अर्थात् अशक्त आत्मानुभूति नहीं कर सकता। बिना अभ्युदय के निःश्रेयस की सिद्धि नहीं होती। अतः आवश्यक है कि 'बलमुपास्व' के आदेश के अनुसार हम बल संवर्धन करें, अभ्युदय के लिए प्रयत्नशील हों, जिससे अपने रोगों को दूर कर स्वास्थ्य लाभ कर सकें तथा विश्व के लिए भार न बनकर उसकी प्रगति में साधक हो सकें।

राष्ट्रीय नीति

भारतीय संस्कृति के शाश्वत, प्रवहमान, दैवी एवं समन्वयकारी तत्त्वों को ही एकात्म मानव के धर्म की संज्ञा दी गई है। यह वह आदर्श है, जो हमारी दिशा निश्चित करेगा। आदर्शोन्मुख रहते हुए भी जनसंघ किसी वाद को लेकर हठवादी बनना उचित नहीं समझता। आदर्श की व्यवहार में परिणति आवश्यक है। उसके लिए यथार्थ के ठोस धरातल का आकलन कर ही कार्यक्रम बनाने होंगे। यथार्थ ही प्रयत्नों की उपलब्धियों के माप तथा सिद्धांतों की कसौटी है। इस पृष्ठभूमि में भारत की वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनसंघ निम्नलिखित नीति और कार्यक्रम निर्धारित करता है।

वास्तव में समाज में प्रचलित अनेक कुरीतियां, जैसे छुआछूत, जाति-भेद, दहेज, मृत्युभोज, नारी अवमानना आदि भारतीय संस्कृति और समाज के स्वास्थ्य की सूचक नहीं, बल्कि रोग लक्षण हैं

एक देश

उत्तर में हिमालय से लेकर दक्षिण में कन्याकुमारी पर्यंत समस्त भारतवर्ष भौगोलिक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक दृष्टि से सदैव एक और अखंड रहा है। इस जीवंत एकता तथा अखंडता की आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक सभी क्षेत्रों में अभिव्यक्ति हुई है। देश के कण-कण के प्रति अपना पवित्र एवं अटूट प्रेम प्रकट करने के लिए हमने उसकी भारतमाता के रूप में उपासना की है। 15 अगस्त, 1947 को अंग्रेजी राज्य की समाप्ति के साथ भारत की चली आई एकता को भी खंडित कर दिया गया। भारतभूमि पर पाकिस्तान का अस्तित्व केवल एक स्वतंत्र राजनीतिक सत्ता ही नहीं, अपितु एक संस्कृति एवं एक राष्ट्र के सत्य सिद्धांत के विपरीत दो संस्कृतियों एवं दो राष्ट्रों के सिद्धांतों को मूर्तिमान करने का प्रयत्न है। यह प्रवृत्ति भारत के मानस की विकृति है। अतः उससे अनेक समस्याओं का जन्म हुआ है। भारतीय जनसंघ की नीतियों का लक्ष्य रहेगा कि भारत और पाकिस्तान के विलगाव को दूर कर उन्हें एक साथ लाया जाए।

भारतीय जनसंघ संपूर्ण जम्मू और कश्मीर राज्य को भारत का अभिन्न अंग मानता है। भारत का संविधान अन्य प्रदेशों की भांति ही इस प्रदेश पर लागू होना आवश्यक है। पुर्तगाली तथा फ्रांसीसी शासन से मुक्त भारतीय भू-भाग' संलग्न प्रदेशों में जोड़ दिया जाए। ■

(क्रमशः...)

प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक के.आर. मलकानी

(19 नवम्बर, 1921 - 27 अक्टूबर, 2003)

श्री केवलराम रतनमल मलकानी (के.आर. मलकानी) एक प्रखर चिंतक, राजनेता, आदर्शवादी, सैद्धांतिक पत्रकार व कर्मयोगी थे। वे भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष एवं पांडिचेरी के उपराज्यपाल रहे। वह एक समर्थ विचारक एवं लेखक भी थे। श्री मलकानी का जन्म 19 नवंबर, 1921 को हैदराबाद (सिन्ध) में हुआ था। युवाकाल में ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए और 1941 से 2003 तक वे आजीवन संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक रहे। मलकानी जी भारतीय जनसंघ के जन्मकाल से ही उसके सिद्धान्तकार बन गए। उनके ही आग्रह पर पं. दीनदयाल उपाध्याय ने ऑर्गेनाइजर में साप्ताहिक 'पालिटिकल डायरी' लिखना प्रारंभ किया।

श्री मलकानी अन्तर्मुखी प्रवृत्ति के थे। अनावश्यक प्रदर्शन और मिलना-जुलना उनके स्वभाव में नहीं था, किन्तु उनका अन्तःकरण निर्मल और स्वभाव बहुत पारदर्शी था। लाग-लपेट की उन्हें आदत नहीं थी। जब भी वे बात करते खुलकर बात करते थे। वे निर्भीक व निःस्वार्थी थे। उनका जीवन बहुत सादा और कठिन था। 1971 में 'मदरलैंड' नामक दैनिक पत्र प्रारंभ हुआ। मदरलैंड के संपादन का जिम्मा व प्रबंधन मलकानी जी पर था। हालांकि प्रारम्भ में डी.आर. मनकेकर इसके संपादक थे, लेकिन वास्तविक संपादन का कार्य मलकानी जी ही देखते थे।

मदरलैंड की इंदिरा सरकार से सीधी टक्कर थी, इसलिए इंदिरा सरकार मलकानी जी को अपना एक बड़ा शत्रु मानती थी। आपातस्थिति की घोषणा के बाद मलकानी जी सबसे पहले पकड़े गए और पूरे उन्नीस महीने जेल काटकर आपातकाल समाप्त होने पर छोड़े गए। उनके जेल जीवन की कहानी उनकी कलम से 'मिडनाइट नॉक' नामक पुस्तक के रूप में सामने आयी। 'मदरलैंड' बंद होने के बाद मलकानी जी पुनः ऑर्गेनाइजर के संपादक पद पर वापस आये और 1982 में 62 वर्ष की आयु में आर्गेनाइजर के संपादक दायित्व से निवृत्त हुए। श्री मलकानी ने भाजपा के मुखपत्र 'बीजेपी टुडे' का भी संपादन किया।

विभाजन की वेदना उनके मन में गहरी थी। उनकी आंखों में अखण्ड भारत का सपना था। इसके लिए वे सदैव संघर्ष करते रहे। साथ ही, मलकानी जी दिल्ली में सिंधी समाज को संगठित करने के लिए मंच की स्थापना की और वे उसके पहले अध्यक्ष बने। मलकानी जी भारतीय जनता पार्टी की केन्द्रीय कार्यसमिति में आमंत्रित रहते थे। जब उन्हें उपाध्यक्ष पद सौंपा गया तब उन्होंने दीनदयाल शोध संस्थान के गैर-राजनीतिक चरित्र का आदर करते हुए उसके दायित्वों से मुक्ति ले ली और वे उपाध्यक्ष के नाते भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में पूरे समय बैठने लगे। 1994 से 2000 तक वे राज्य सभा के सदस्य रहे, पर उनकी कलम कभी रुकी नहीं।

श्री मलकानी आजन्म योद्धा रहे। संपादक का पत्र स्तंभ हो, या टेलीविजन पर बहस, हर जगह मलकानी जी का राष्ट्रवादी स्वर गूंजता रहा। वे राष्ट्रवाद के विरोधियों से लोहा लेते रहे। वे जुलाई, 2002 में पांडिचेरी के उपराज्यपाल पद पर नियुक्त हुए। राजभवन में भी वे सबको स्मरण करते रहे और लेखन में जुटे रहे। 27 अक्टूबर, 2003 को उन्होंने अंतिम सांस ली। श्री मलकानी का जीवन आदर्शवादी, सिद्धान्तनिष्ठ पत्रकारिता के लिए प्रकाशस्तंभ व प्रेरणास्रोत है। ■

देश में 110 करोड़ से भी अधिक लगे कोविड-19 रोधी टीके

भारत ने 11 नवंबर को 110 करोड़ से अधिक कोविड-19 रोधी टीके लगाने की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। 11 नवंबर की सुबह सात बजे तक की अस्थायी रिपोर्ट के अनुसार देश का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज 1,10,23,34,225 करोड़ के आंकड़े तक पहुंच गया। टीकाकरण की इस सफलता को 1,12,38,854 सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया।

भारत में कोविड से स्वस्थ होने की वर्तमान दर 98.25 प्रतिशत है। पिछले लगातार 137 दिनों से 50 हजार से कम दैनिक मामले आ रहे हैं। यह केंद्र और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के संयुक्त एवं सतत प्रयासों का ही परिणाम है। सक्रिय मामलों की संख्या 1,38,556 है, जो पिछले 266 दिनों में सबसे कम है। सक्रिय मामले देश के कुल पॉजिटिव मामलों का इस समय 0.40 प्रतिशत हैं, जो मार्च, 2020 के बाद सबसे कम है। ■

भारत की ऐतिहासिक वैक्सीनेशन यात्रा

जगत प्रकाश नड्डा
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारत में दुरूह, दुस्तर और अकल्पनीय समझे जाने वाले टीकाकरण अभियान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जिस तरह से दुनिया को आईना दिखाते हुए रिकॉर्ड समय में 100 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार करते हुए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, वह अभूतपूर्व है और न्यू इंडिया के उस जज्बे की कहानी है जहां अब कुछ भी 'असंभव' नहीं है। भारत में 'ये नहीं हो सकता' से 'हम यह कर सकते हैं' और 'ये होकर रहेगा' का सफर इतना आसान नहीं था लेकिन तमाम बाधाओं और चुनौतियों को पार करते हुए नरेन्द्र मोदी सरकार ने देशवासियों को यह अहसास दिलाया है कि अगर 130 करोड़ देशवासी ठान लें तो भारत कदम-कदम पर सफलता के नए अध्याय जोड़ सकता है और देश को हर मुश्किल से निजात दिलाई जा सकती है।

घातक वैश्विक महामारी कोविड-19 के खिलाफ निर्णायक जंग का ऐलान करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 16 जनवरी, 2021 को विश्व के सबसे बड़े और सबसे तेज गति से चलने वाले वैक्सीनेशन ड्राइव की शुरुआत की थी। वैक्सीनेशन कार्यक्रम के शुरू होने के 9 महीने के भीतर ही भारत ने 100 करोड़ वैक्सीन डोज एडमिनिस्टर कर एक नया रिकॉर्ड कायम कर दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया है। 18 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 70 प्रतिशत से अधिक नागरिकों को अब तक वैक्सीन का कम से कम एक डोज लगाया जा चुका है। भारत में कोविड वैक्सीनेशन अमेरिका में वैक्सीनेशन कार्यक्रम के आगाज होने के लगभग एक महीने बाद शुरू हुआ लेकिन यहां इस पर ध्यान देना जरूरी है कि इतने कम समय में ही भारत में अमेरिका की तुलना में लगभग दोगुना वैक्सीनेशन हुआ है। जहां पूरी दुनिया में अब तक कोविड वैक्सीन की लगभग 700 करोड़ खुराक दी गई है, वहीं अकेले भारत में 100 करोड़ से अधिक डोज लगाए जा चुके हैं। भले ही विश्व सकल घरेलू उत्पाद में हमारा हिस्सा केवल 3.5 प्रतिशत है लेकिन आज हम दुनिया का 14 प्रतिशत कोविड वैक्सीन डोज एडमिनिस्टर कर रहे हैं।

नरेन्द्र मोदी सरकार ने देशवासियों को यह अहसास दिलाया है कि अगर 130 करोड़ देशवासी ठान लें तो भारत कदम-कदम पर सफलता के नए अध्याय जोड़ सकता है और देश को हर मुश्किल से निजात दिलाई जा सकती है

भारत उन सभी देशों की तुलना में काफी बेहतर वैक्सीनेशन अभियान चला रहा है जिनकी प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. हमसे कहीं अधिक है। जाहिर है, कई बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद भारत ने वह संभव कर दिखाया जिसकी किसी ने आशा भी नहीं की थी। पूरे यूरोपीय संघ में अब तक कोविड वैक्सीन डोज एडमिनिस्टर किए गए हैं, उससे भी कहीं अधिक टीके भारत ने लगाए हैं। हिमाचल प्रदेश, गोवा, सिक्किम, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, लद्दाख और लक्षद्वीप ने 18 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों के कम एक खुराक के साथ 100 प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के वैक्सीनेटिड नागरिकों की संख्या सऊदी अरब, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, पेरू और संयुक्त अरब अमीरात की कुल आबादी से भी अधिक है। पिछले कुछ हफ्तों में भारत कम से कम पांच बार एक दिन में 1 करोड़ टीकाकरण का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहा है जो अपने-आप में एक रिकॉर्ड है। 17 सितंबर को हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन पर समग्र राष्ट्र ने वैक्सीनेशन के यज्ञ रूपी 'जन अभियान' में अपनी समग्र भागीदारी देते हुए एक दिन में अढ़ाई करोड़ से अधिक नागरिकों का टीकाकरण करके देश को एक नया कीर्तिमान स्थापित करने में मदद की। मोदी सरकार के प्रयासों को कलंकित करने के लिए कुछ विपक्षी दलों द्वारा खास तरीके से डिजाइन किए गए 'टूल किट' के जरिए पूरी तरह एक प्रायोजित दुष्प्रचार अभियान चलाया गया। इस मायने में विपक्षी दलों का पाखंड अतुलनीय है।

वैक्सीन और वैक्सीनेशन के संदर्भ में भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि को कमजोर करने के लिए विपक्ष टीकों की पूर्ण संख्या के बजाय आबादी के सापेक्ष एडमिनिस्टर्ड किए गए टीकों के प्रतिशत की बात करने लगता है लेकिन जब वैश्विक संदर्भ में भारत के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद और अन्य स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के मापदंडों को ध्यान में रखते हुए भारत के कोविड प्रबंधन की तुलना दुनिया के बाकी हिस्सों से करते हुए उसी मैट्रिक्स का उपयोग करने की बात होती है तो विपक्ष काल्पनिक वीभत्स परिदृश्यों को चित्रित करते हुए कोरोना से देश में हुई मौत के आंकड़ों की ओर चर्चा को मोड़ देता है। यहां विपक्ष आबादी के सापेक्ष मृत्यु दर या फैटेलिटी पर्सेंटेज की बात करने के बजाय कुल मृत्यु के आंकड़े की बात करने लगता है। मतलब कि चित भी मेरी, पट भी मेरी! अब उत्तर प्रदेश का ही उदाहरण लें। लगभग 24 करोड़ की आबादी वाला यह राज्य अब कई हफ्तों से नए कोविड मामलों की संख्या को प्रतिदिन

50 से भी नीचे लाने में कामयाब रहा है। यू.पी. में कोविड के कारण मृत्यु की संख्या 23,000 से भी कम है।

इसका मतलब यह है कि भारत की आबादी के लगभग 18 प्रतिशत वाले राज्य में कोविड के कारण हुई मृत्यु के आंकड़े देश में कोविड के कारण हुई मौतों के आंकड़ों का केवल 5 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश ने अब तक 11 करोड़ से अधिक डोज एडमिनिस्टर किए हैं और 8 करोड़ से अधिक टेस्टिंग की है जो देश में सर्वाधिक है। अफसोस की बात है कि राजनीतिक पाखंड, बौद्धिक बेईमानी और अवसरवाद की 'महामारी' के लिए अभी तक कोई टीका विकसित नहीं हुआ है जो अर्ध-सत्य और पक्षपातपूर्ण आख्यानों को आगे बढ़ाकर भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि कमजोर करने का कुप्रयास करता है। आज हमने कोविड वैक्सीन और वैक्सीनेशन के संदर्भ में जो मील के पत्थर हासिल किए हैं, वे किसी एक पार्टी या एक सरकार के नहीं बल्कि पूरे देश के लिए है। केवल इसलिए कि आप उस व्यक्तित्व को नापसंद करते हैं जिसके नेतृत्व में भारत नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है, हमारे वैज्ञानिकों, हमारे स्वास्थ्य कर्मियों और भारत के लोगों के मनोबल को कमजोर करने के लिए यह कोई कारण नहीं होना चाहिए। अंततः झूठ और दुष्प्रचार को सत्य और तथ्यों के टीके से परास्त कर ही दिया जाएगा। आइए, हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में इस महामारी को हराने के लिए मिलकर काम करना जारी रखें और इस महामारी को समूल नष्ट करने में अपनी भागीदारी दें। ■

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोवैक्सीन टीके को 'आपात उपयोग के लिए सूचीबद्ध' किया

गत तीन नवंबर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने स्वदेशी कंपनी भारत बायोटेक के कोविड रोधी टीके कोवैक्सीन को 'आपात उपयोग के लिए सूचीबद्ध' (ईयूएल) कर दिया। इससे पहले डब्ल्यूएचओ के तकनीकी परामर्शदाता समूह ने इसकी सिफारिश की थी।

डब्ल्यूएचओ ने ट्वीट कर कहा कि डब्ल्यूएचओ ने कोवैक्सीन (भारत बायोटेक द्वारा विकसित) टीके को आपात उपयोग के लिए सूचीबद्ध किया है। इस तरह कोविड-19 की रोकथाम के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा मान्यता प्राप्त टीकों की संख्या में इजाफा हुआ है। डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह ने ट्वीट किया, "भारत को उसके स्वदेश विकसित कोविड-19 रोधी टीके कोवैक्सीन को आपात उपयोग के लिए सूचीबद्ध किये जाने के लिए बधाई।"

96 देशों ने टीकाकरण प्रमाणपत्रों की पारस्परिक स्वीकृति के लिए सहमति व्यक्त की

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नौ नवंबर को कहा कि वर्तमान में 96 देशों ने टीकाकरण प्रमाणपत्रों की पारस्परिक मान्यता के लिए सहमति व्यक्त की है, जिन्होंने पूरी तरह से कोविशील्ड/डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुमोदित/राष्ट्रीय स्तर पर अनुमोदित टीके लगवा चुके यात्रियों के भारतीय टीकाकरण प्रमाण पत्र को मान्यता दी है। इन देशों से यात्रा करने वाले व्यक्तियों को 20 अक्टूबर, 2021 को जारी अंतरराष्ट्रीय आगमन पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार कुछ छूट प्रदान की जाती है।

ये देश हैं— कनाडा, अमेरिका, बांग्लादेश, माली, घाना, सिएरा लियोन, अंगोला, नाइजीरिया, बेनिन, चाड, हंगरी, सर्बिया, पोलैंड,

स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया, क्रोएशिया, बुल्गारिया, तुर्की, ग्रीस, फिनलैंड, एस्टोनिया, रोमानिया, मोल्दोवा, अल्बानिया, चेक गणराज्य, स्विट्ज़रलैंड, लिकटेंस्टीन, स्वीडन, ऑस्ट्रिया, मोंटेनेग्रो, आइसलैंड, इस्वातिनी, रवांडा, ज़िम्बाब्वे, युगांडा, मलावी, बोत्सवाना, नामीबिया, किर्गिज़ गणराज्य, बेलारूस, आर्मेनिया, यूक्रेन, अज़रबैजान, कज़ाख़स्तान, रूस, जॉर्जिया, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम, आयरलैंड, नीदरलैंड, स्पेन, अंडोरा, कुवैत, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कतर, मालदीव, कोमोरोस, श्रीलंका, मॉरीशस, पेरू, जमैका, बहामास, ब्राजील, गुयाना, एंटीगुआ और बारबुडा, मैक्सिको, पनामा, कोस्टा रिका, निकारागुआ, अर्जेंटीना, उरुग्वे, पराग्वे, कोलंबिया, त्रिनिदाद और टोबैगो, डोमिनिका, ग्वाटेमाला, अल सल्वाडोर, होंडुरास, डोमिनिकन गणराज्य, हैती, नेपाल, ईरान, लेबनान, फिलिस्तीन, सीरिया, दक्षिण सूडान, ट्यूनीशिया, सूडान, मिस्र, ऑस्ट्रेलिया, मंगोलिया, फिलीपींस। ■

उत्तर प्रदेश की डबल इंजन की सरकार अनेक कर्मयोगियों की दशकों की तपस्या का फल है: नरेन्द्र मोदी

सिद्धार्थ नगर, एटा, हरदोई, प्रतापगढ़, फतेहपुर, देवरिया, गाजीपुर, मिर्जापुर और जौनपुर को नये मेडिकल कॉलेज मिले

गत 25 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में सिद्धार्थ नगर के माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल क़ॉलेज सहित प्रदेश के नौ मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन किया। ये नौ मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थ नगर, एटा, हरदोई, प्रतापगढ़, फतेहपुर, देवरिया, गाजीपुर, मिर्जापुर और जौनपुर जिलों में हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश की सरकार अनेक कर्मयोगियों की दशकों की तपस्या का फल है। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ नगर ने स्वर्गीय माधव प्रसाद त्रिपाठी जी के रूप में एक ऐसा समर्पित जनप्रतिनिधि देश को दिया, जिनका अथाह परिश्रम आज राष्ट्र के काम आ रहा है। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ नगर के नये मेडिकल कॉलेज का नाम माधव बाबू के नाम पर रखना उनके सेवा भाव के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। श्री मोदी ने कहा कि माधव बाबू का नाम यहां से पढ़कर निकलने वाले युवा डॉक्टरों को जनसेवा की निरंतर प्रेरणा भी देगा।

> **“ नौ नये मेडिकल कॉलेजों के निर्माण से करीब ढाई हजार नये बिस्तर तैयार हुए हैं, पांच हजार से अधिक डॉक्टर और पैरामेडिक्स के लिये रोजगार के नये अवसर बने हैं**

उन्होंने कहा कि नौ नये मेडिकल कॉलेजों के निर्माण से करीब ढाई हजार नये बिस्तर तैयार हुए हैं, पांच हजार से अधिक डॉक्टर और पैरामेडिक्स के लिये रोजगार के नये अवसर बने हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हर वर्ष सैकड़ों युवाओं के लिये मेडिकल की पढ़ाई का नया रास्ता खुला है।

श्री मोदी ने कहा कि दिमागी बुखार से हुई दुःखद मौतों की वजह से पिछली सरकारों ने पूर्वांचल की छवि खराब कर दी थी। उन्होंने कहा कि आज वही पूर्वांचल, वही उत्तर प्रदेश, पूर्वी भारत को सेहत का नया उजाला देने वाला है।

श्री मोदी ने स्मरण किया कि जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी संसद सदस्य थे, तब उन्होंने संसद में उत्तर प्रदेश की बदहाल चिकित्सा व्यवस्था की व्यथा सुनाई थी। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के लोग देख रहे हैं कि जब योगी जी को जनता-जनार्दन की सेवा का मौका दिया, तो कैसे उन्होंने दिमागी बुखार को बढ़ने से रोक दिया और इस क्षेत्र के हजारों बच्चों का जीवन बचा लिया। उन्होंने कहा कि सरकार जब संवेदनशील हो, गरीब का दर्द समझने के लिये मन में करुणा का भाव हो, तो इसी तरह काम होता है।

श्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के इतिहास में कभी एक साथ इतने मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण नहीं हुआ। प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि पहले ऐसा नहीं होता था और अब ऐसा क्यों हो रहा है। इसका एक ही कारण है– राजनीतिक इच्छाशक्ति और राजनीतिक प्राथमिकता। श्री मोदी ने बताया कि सात साल पहले जो सरकार दिल्ली में थी और चार साल पहले जो यहां उत्तर प्रदेश की सरकार थी, वह सिर्फ वोट के लिये काम करती थी, तब कहीं डिस्पेंसरी की, कहीं छोटे-मोटे अस्पताल की घोषणा करके बैठ जाती थी।

उन्होंने कहा कि सालों-साल तक या तो इमारत नहीं बनती थी और अगर बनती भी थी, तो मशीनें नहीं होती थीं। दोनों हो गईं, तो डॉक्टर और दूसरा स्टाफ नहीं होता था। उन्होंने कहा कि ऊपर से गरीबों के हजारों करोड़ रुपये लूटने वाली भ्रष्टाचार की साइकिल चौबीसों घंटे अलग से चलती रहती थी।

श्री मोदी ने कहा कि 2014 से पहले हमारे देश में मेडिकल सीटें 90 हजार से कम थीं। बीते सात वर्षों में देश में मेडिकल की 60 हजार नई सीटें जोड़ी गई हैं। उन्होंने कहा कि यहां उत्तर प्रदेश में भी 2017 तक मेडिकल की सीटें 1900 से भी कम थीं, जबकि डबल इंजन की सरकार में पिछले चार साल में ही 1900 सीटों से ज्यादा मेडिकल सीटों की बढ़ोतरी की गई है। ■

प्रधानमंत्री ने केदारनाथ में विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया

गत पांच नवंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केदारनाथ में विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने श्री आदि शंकराचार्य समाधि का उद्घाटन किया और श्री आदि शंकराचार्य की प्रतिमा का अनावरण किया। श्री मोदी ने पूरे हो चुके और अभी जारी अवसंरचना से जुड़े कार्यों की समीक्षा की और इनका निरीक्षण भी किया। उन्होंने केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। पूरे देश में 12 ज्योतिर्लिंगों तथा 4 धामों और आस्था के कई अन्य स्थानों पर पूजा-अर्चना की गई एवं समारोह आयोजित किए गए। ये सभी कार्यक्रम तथा केदारनाथ धाम का कार्यक्रम केदारनाथ धाम के मुख्य कार्यक्रम से जुड़े थे।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने भारत की महान आध्यात्मिक ऋषि परंपरा का आह्वान किया और कहा कि केदारनाथ धाम आने की अपनी अनुभूति को वे शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते। वर्ष 2013 की केदारनाथ जल-प्रलय को याद करते हुये उन्होंने कहा वर्षों पहले बाढ़ के पानी से जो नुकसान यहां हुआ था, वह अकल्पनीय था। श्री मोदी ने कहा कि जो लोग यहां आते थे, वे सोचते थे कि क्या हमारा केदार धाम फिर से उठ खड़ा होगा? लेकिन मेरे भीतर की आवाज कह रही थी कि यह पहले से अधिक आन-बान-शान के साथ खड़ा होगा।

उन्होंने कहा कि भगवान केदार की अनुकम्पा और आदि शंकराचार्य की प्रेरणा तथा भुज भूकम्प के बाद के हालात से निपटने में उनके अपने अनुभव से वे उन मुसीबत भरे समय में मदद करने में सक्षम हुये थे। श्री मोदी ने धाम में विकास कार्यों के लिये अथक परिश्रम करने पर सभी कामगारों, पुजारियों, रावल परिवार के पुरोहितों, अधिकारियों और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया, जो ड्रोन और अन्य प्रौद्योगिकियों के जरिये कार्य की लगातार निगरानी करते रहे। श्री मोदी ने कहा कि इस आदि भूमि पर शाश्वत के साथ आधुनिकता का यह मेल, विकास के ये काम भगवान शंकर की सहज कृपा का ही परिणाम हैं।

आदि शंकराचार्य का उल्लेख करते हुये श्री मोदी ने कहा कि संस्कृत में शंकर का अर्थ "शं करोति सः शंकरः" होता है, यानी जो कल्याण करे, वही शंकर है। उन्होंने कहा कि इस व्याकरण को भी आचार्य शंकर ने प्रत्यक्ष प्रमाणित कर दिया। उनका पूरा जीवन जितना असाधारण था, उतना ही वे जन-साधारण के कल्याण के लिये समर्पित थे।

श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि अब हमारी सांस्कृतिक विरासत को, आस्था के केंद्रों को उसी गौरवमय भाव से देखा जा रहा है, जैसा उसे देखा जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर पूरे गौरव के साथ बन रहा है। अयोध्या को उसका गौरव वापस मिल रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का है। उन्होंने बताया कि चारधाम राजमार्ग को जोड़ने वाली चारधाम सड़क परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। उस परियोजना पर भी काम शुरू हो गया है जिसके माध्यम से श्रद्धालु यहां भविष्य में केबल कार के जरिए केदारनाथ जी के दर्शन कर सकेंगे।

गौरतलब है कि वर्ष 2013 की बाढ़ में ध्वस्त हुई श्री आदि शंकराचार्य की समाधि का पुनर्निर्माण किया गया है। यह संपूर्ण पुनर्निर्माण कार्य प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में किया गया है। उन्होंने इस परियोजना की प्रगति की लगातार समीक्षा और निगरानी की है। आज भी श्री मोदी ने सरस्वती आस्था पथ के इर्द-गिर्द चल रहे एवं पूरे हो चुके कार्यों की समीक्षा की एवं उनका निरीक्षण किया। ■

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड के केदारनाथ में श्री आदि शंकराचार्य समाधि का उद्घाटन किया और श्री आदि शंकराचार्य की प्रतिमा का अनावरण किया

प्रधानमंत्री मोदी ने आडवाणी जी के घर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा: नरेन्द्र मोदी

भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व उपप्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी के जन्मदिन (8 नवम्बर) पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी.एल. संतोष समेत भाजपा के कई नेता और प्रबुद्ध जन उनके निवास पर जाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने देश और पार्टी के विकास में उनके योगदान की सराहना की। श्री आडवाणी 8 नवम्बर को 94 वर्ष के हो गए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी हर साल श्री आडवाणी के जन्मदिन पर बधाई देने के लिए उनके घर जाते हैं। उन्होंने पुष्प गुच्छ सौंपकर श्री आडवाणी को बधाई दी और फिर उनका हाथ थामकर उन्हें घर के अंदर ले गए। सभी नेताओं ने एक साथ बैठकर कुछ देर बातचीत की।

इससे पहले श्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि आदरणीय आडवाणी जी को जन्मदिन की बधाई। उनकी दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिये प्रार्थना। लोगों को शक्ति सम्पन्न बनाने और हमारे सांस्कृतिक गौरव को बढ़ाने में उनके विपुल प्रयासों के लिये राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा। अपनी विद्वता और बुद्धिमत्ता के लिये भी व्यापक रूप से उनका सम्मान किया जाता है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि भाजपा को जन-जन तक पहुंचाने और देश के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। आडवाणी जी पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत हैं। मैं ईश्वर से आपकी दीर्घ आयु और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना करता हूं।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने श्री आडवाणी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह भारत के उन सबसे सम्मानित नेताओं में गिने जाते हैं, जिनकी विद्वता, दूरदर्शिता, बौद्धिक क्षमता और राजनय का लोहा सभी मानते हैं। ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखे एवं दीर्घायु करे।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने एक ट्वीट में कहा कि अपने सतत संघर्ष से भाजपा की विचारधारा को जन-जन तक पंहुचाकर संगठन को अखिल भारतीय स्वरूप देने में अपना अहम योगदान देने वाले हम सभी के श्रद्धेय लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आप सदैव स्वस्थ रहें और दीर्घायु हों, ऐसी ईश्वर से कामना करता हूं।

श्री आडवाणी का जन्म 8 नवम्बर, 1927 को हुआ था। वह पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में देश के गृह मंत्री और उपप्रधानमंत्री रहे। ■

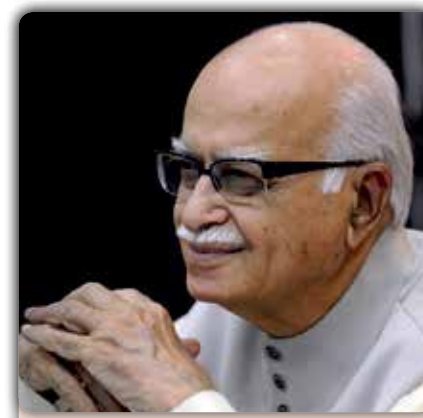

जीवेम शरदः शतम्!

जन्मदिन : 08 नवंबर

'कमल संदेश' परिवार भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामना देता है और उनके उत्तम स्वास्थ्य तथा दीर्घायु होने की कामना करता है।

प्रधानमंत्री ने जी-20 शिखर सम्मेलन व 26वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज में भाग लिया

हमने विश्व के सामने 'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य' का विजन रखा: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 29 से 31 अक्टूबर, 2021 तक रोम, इटली की यात्रा की और वेटिकन सिटी का भी दौरा किया। 31 अक्टूबर को जी-20 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद श्री मोदी ने 1-2 नवंबर, 2021 के दौरान ब्रिटेन की यात्रा की, जहां उन्होंने ग्लासगो में 26वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-26) के उच्च-स्तरीय खंड 'वर्ल्ड लीडर्स समिट' में भाग लिया

जी-20 शिखर सम्मेलन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने यात्रा के पहले चरण में 29 अक्टूबर को रोम में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर इटली के प्रधानमंत्री मारियो ड्रैगी से भेंट की। यह उनकी पहली व्यक्तिगत भेंट थी। श्री मोदी ने वैश्विक महामारी के बीच जी-20 की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए प्रधानमंत्री ड्रैगी को बधाई दी। दोनों नेताओं ने जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों और इस संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

भारत एक विश्वसनीय मैन्यूफैक्चरिंग हब

जी-20 शिखर सम्मेलन के सत्र I: 'वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्वास्थ्य' में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अक्टूबर को कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए हमने 'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य' का विजन विश्व के सामने रखा है। भविष्य में ऐसे किसी भी संकट से निपटने के लिए ये विजन विश्व की बहुत बड़ी ताकत बन सकता है।

उन्होंने कहा कि इस महामारी ने पूरी दुनिया को भरोसेमंद सप्लाई चेन की जरूरत के प्रति सतर्क किया है। इस स्थिति में भारत एक विश्वसनीय मैन्यूफैक्चरिंग हब के तौर पर उभरा है।

जी-20 शिखर सम्मेलन के सत्र II: 'जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण' में श्री मोदी ने कहा कि आज जब मैं क्लाइमेट एक्शन के मुद्दे पर जी-20 देशों के बीच हूं, तो अपनी दो बड़ी जिम्मेदारियां के प्रति पूरी संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखना चाहता हूं। पहली जिम्मेदारी Climate Mitigation की है जो भारत की हजारों वर्ष पुरानी परंपरा से प्रेरित है। हम इस मुद्दे पर महात्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

जी-20 शिखर सम्मेलन के सत्र III: 'सतत विकास' में श्री मोदी ने कहा कि कोरोना की वजह से पिछले डेढ़ वर्षों में विश्व में Sustainable Development Goals की प्राप्ति की गति धीमी हुई है। महामारी ने अलग-अलग देशों के बीच सामाजिक ग्रुप्स के बीच, महिलाओं और पुरुषों के बीच आर्थिक गैप को और बढ़ाया है। यह आवश्यक है कि कोविड बाद रिकवरी में हमारी बड़ी प्राथमिकता SDGs पर रहे।

वेटिकन सिटी में प्रधानमंत्री की पोप से मुलाकात

पोप फ्रांसिस ने 30 अक्टूबर को वेटिकन के अपोस्टोलिक पैलेस में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अगवानी की। दो दशकों से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री और कैथोलिक चर्च के प्रमुख 'पोप' के बीच यह पहली मुलाकात थी। पिछली बार जून, 2000 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने वेटिकन का दौरा किया था और तत्कालीन पोप जॉन पॉल द्वितीय से मुलाकात की थी। भारत और रोम के बिशप ऑफिस के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध 1948 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के समय से हैं। भारत एशिया में दूसरी सबसे बड़ी कैथोलिक आबादी का घर है।

इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने कोविड-19 महामारी और दुनियाभर के लोगों पर इसके प्रभावों को लेकर चर्चा की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौती पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने पोप फ्रांसिस को जल्द भारत आने का न्योता दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

प्रमुख वैश्विक नेताओं से मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अक्टूबर को इटली के रोम में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन की पृष्ठभूमि में फ्रांस के राष्ट्रपति महामहिम श्री इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों राजनेताओं ने व्यापक भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की वर्तमान स्थिति पर संतोष व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 30 अक्टूबर को सिंगापुर के प्रधानमंत्री महामहिम श्री ली सिएन लूंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। महामारी के बाद दोनों राजनेताओं की यह पहली व्यक्तिगत बैठक थी। दोनों राजनेताओं ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों और आगामी कॉप-26 पर चर्चा की।

श्री मोदी ने 31 अक्टूबर को इंडोनेशिया के राष्ट्रपति महामहिम श्री

जोको विडोडो से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी की दिशा में हाल में हुई प्रगति पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने 31 अक्टूबर को जर्मनी संघीय गणराज्य की चांसलर डॉ. एंजेला मर्केल से मुलाकात की। दीर्घकालिक आपसी सहयोग एवं व्यक्तिगत मित्रता को याद करते हुए श्री मोदी ने सिर्फ जर्मनी में ही नहीं बल्कि यूरोपीय और वैश्विक स्तर पर भी नेतृत्व के लिए चांसलर मर्केल की सराहना की।

श्री मोदी ने 31 अक्टूबर को स्पेन के प्रधानमंत्री श्री पेड्रो सांचेज से मुलाकात की। दोनों शासनाध्यक्षों ने बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संपर्कता का स्वागत किया, जिनमें एयरबस-स्पेन से 56 सी295 हवाई जहाज खरीदने का समझौता भी शामिल है। ■

कॉप–26

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ द्विपक्षीय बैठक

यात्रा के दूसरे चरण में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1 नवंबर को ग्लासगो, ब्रिटेन में कॉप-26 वर्ल्ड लीडर्स शिखर सम्मेलन के अवसर पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन एमपी से भेंट की।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने विशेष रूप से व्यापार और अर्थव्यवस्था, लोगों के बीच आपसी संपर्क, स्वास्थ्य, रक्षा और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में रोडमैप 2030 प्राथमिकताओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की।

दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान, आतंकवाद, भारत-प्रशांत, आपूर्ति श्रृंखला में लचीलापन और कोविड के पश्चात वैश्विक आर्थिक सुधार सहित क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों पर भी चर्चा की।

वर्ष 2070 तक भारत का नेट जीरो का लक्ष्य

ग्लासगो, ब्रिटेन में कॉप-26 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक नवंबर को कहा कि आज मैं आपके बीच उस भूमि का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं, जिस भूमि ने हजारों वर्ष पहले ये मंत्र दिया था-

सम्-गच्छ-ध्वम्,
सम्-व-दद्वम् ,
सम् वो मानसि जानताम्।

आज 21वीं सदी में ये मंत्र और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है, प्रासंगिक हो गया है।

सम्-गच्छ-ध्वम् यानी सभी साथ मिलकर चलें सम्-व-दद्वम् यानी सभी मिल-जुलकर आपस में संवाद करें और सम् वो मनानसि जानताम् यानी सभी के मन भी आपस में मिले रहें।

उन्होंने कहा कि जब मैं पहली बार क्लाइमेट समिट में पेरिस आया था, तब मेरा यह इरादा नहीं था कि दुनिया में हो रहे अनेक वायदों में एक वायदा अपना भी जोड़ दूं।

उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व मानता है कि भारत एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसने पेरिस कमिटमेंट पर लेटर एंड स्पिरिट में डिलिवर किया है। हम संकल्पबद्ध होकर हर संभव प्रयास कर रहे हैं, परिश्रम कर रहे हैं और परिणाम लाकर दिखा रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आज जब मैं आपके बीच आया हूं तो भारत के ट्रैक रिकॉर्ड को भी लेकर आया हूं। मेरी बातें सिर्फ शब्द नहीं हैं, ये भावी पीढ़ी के उज्जवल भविष्य का जयघोष हैं।

उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज पर इस वैश्विक मंथन के बीच मैं भारत की ओर से इस चुनौती से निपटने के लिए पांच अमृत तत्व रखना चाहता हूं, पंचामृत की सौगात देना चाहता हूं।

पहला- भारत, 2030 तक अपनी Non-Fossil Energy Capacity को 500 गीगावाट तक पहुंचाएगा।

दूसरा- भारत, 2030 तक अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों को renewable energy से पूरी करेगा।

तीसरा- भारत, अब से लेकर 2030 तक के कुल प्रोजेक्टेड कार्बन एमिशन में एक बिलियन टन की कमी करेगा।

चौथा- 2030 तक भारत, अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन इंटेन्सिटी को 45 प्रतिशत से भी कम करेगा।

और पांचवा- वर्ष 2070 तक भारत, नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करेगा।

ये पंचामृत, क्लाइमेट एक्शन में भारत का एक अभूतपूर्व योगदान होंगे। ■

हमारे स्वास्थ्यकर्मियों ने अपने अथक परिश्रम और संकल्प से पेश की एक नई मिसाल

लाखों स्वास्थ्यकर्मियों के परिश्रम की वजह से ही भारत सौ करोड़ वैक्सीन डोज़ का पड़ाव पार कर सका है

गत 24 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' की 82वीं कड़ी में कहा कि 100 करोड़ वैक्सीन डोज़ का आंकड़ा बहुत बड़ा जरूर है, लेकिन इससे लाखों छोटी-छोटी प्रेरक और गर्व से भर देने वाली अनेक अनुभव, अनेक उदाहरण जुड़े हुए हैं।

देश के स्वास्थ्यकर्मियों के कठिन परिश्रम की सराहना करते हुए श्री मोदी ने कहा कि हमारे स्वास्थ्यकर्मियों ने अपने अथक परिश्रम और संकल्प से एक नई मिसाल पेश की। उन्होंने इनोवेशन के साथ अपने दृढ़ निश्चय से मानवता की सेवा का एक नया मानदंड स्थापित किया। उनके बारे में अनगिनत उदाहरण हैं, जो बताते हैं कि कैसे उन्होंने तमाम चुनौतियों को पार करते हुए अधिक से अधिक लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि लाखों स्वास्थ्यकर्मियों के परिश्रम की वजह से ही भारत सौ करोड़ वैक्सीन डोज़ का पड़ाव पार कर सका है। आज मैं सिर्फ आपका ही आभार व्यक्त नहीं कर रहा हूं, बल्कि हर उस भारतवासी का आभार व्यक्त कर रहा हूं, जिसने 'सबको वैक्सीन-मुफ्त वैक्सीन' अभियान को इतनी ऊंचाई दी, कामयाबी दी।

अपने संबोधन के दौरान श्री मोदी ने कहा कि आप जानते हैं कि 31 अक्तूबर को सरदार पटेल जी की जन्म जयंती है। 'मन की बात' के हर श्रोता की तरफ से और मेरी तरफ से, मैं, लौहपुरुष को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि 31 अक्तूबर को हम 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाते हैं। हम सभी का दायित्व है कि हम एकता का संदेश देने वाली किसी-न-किसी गतिविधि से जरुर जुड़ें।

श्री मोदी ने कहा कि सरदार साहब कहते थे कि—"हम अपने एकजुट उद्यम से ही देश को नई महान ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। अगर हममें एकता नहीं हुई तो हम खुद को नई-नई विपदाओं में फंसा देंगे।" यानी राष्ट्रीय एकता है तो ऊंचाई है, विकास है। हम सरदार पटेल जी के जीवन से, उनके विचारों से, बहुत कुछ सीख सकते हैं।

साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि जीवन निरंतर प्रगति चाहता है, विकास चाहता है, ऊंचाइयों को पार करना चाहता है। विज्ञान भले ही आगे बढ़ जाए, प्रगति की गति कितनी ही तेज हो जाए, भवन कितने ही भव्य बन जाए, लेकिन फिर भी जीवन अधूरापन अनुभव करता है। लेकिन जब इनमें गीत-संगीत, कला, नाट्य-नृत्य, साहित्य जुड़ जाता है, तो इनकी आभा, इनकी जीवंतता अनेक गुना बढ़ जाती है। एक प्रकार से जीवन को सार्थक बनना है तो ये सब होना भी उतना ही जरुरी होता है, इसलिए ही कहा जाता है कि ये सभी विधाएं हमारे जीवन में एक उत्प्रेरक का काम करती हैं, हमारी ऊर्जा बढ़ाने का काम करती हैं।

श्री मोदी ने कहा कि मानव मन के अंतर्मन को विकसित करने में, हमारे अंतर्मन की यात्रा का मार्ग बनाने में भी, गीत-संगीत और विभिन्न कलाओं की बड़ी भूमिका होती है और इनकी एक बड़ी ताकत ये होती है कि इन्हें न समय बांध सकता है, न सीमा बांध सकती है और न ही मत-मतांतर बांध सकता है। अमृत महोत्सव में भी अपनी कला, संस्कृति, गीत, संगीत के रंग अवश्य भरने चाहिये।

उन्होंने कहा कि आज़ादी की लड़ाई में अलग-अलग भाषा, बोली में, देशभक्ति के गीतों और भजनों ने पूरे देश को एकजुट किया था। अब अमृतकाल में हमारे युवा देशभक्ति के ऐसे ही गीत लिखकर इस आयोजन में और ऊर्जा भर सकते हैं। देशभक्ति के ये गीत मातृभाषा में हो सकते हैं, राष्ट्रभाषा में हो सकते हैं और अंग्रेजी में भी लिखे जा सकते हैं, लेकिन ये जरुरी है कि ये रचनाएं नए भारत की नई सोच वाली हों, देश की वर्तमान सफलता से प्रेरणा लेकर भविष्य के लिए देश को संकल्पित करने वाली हों। संस्कृति मंत्रालय की तैयारी तहसील स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक इससे जुड़ी प्रतियोगिता कराने की है।

श्री मोदी ने कहा कि एक और विधा हमारे यहां लोरी की भी है। हमारे यहां लोरी के जरिए छोटे बच्चों को संस्कार दिए जाते हैं, संस्कृति से उनका परिचय करवाया जाता है। लोरी की भी अपनी विविधता है। तो क्यों न हम अमृतकाल में इस कला को भी पुनर्जीवित करें और देशभक्ति से जुड़ी ऐसी लोरियां लिखें, कविताएं, गीत, कुछ-न-कुछ जरुर लिखें जो बड़ी आसानी से हर घर में माताएं अपने छोटे-छोटे बच्चों को सुना सके। इन लोरियों में आधुनिक भारत का संदर्भ हो, 21वीं सदी के भारत के सपनों का दर्शन हो। आप सब श्रोताओं के सुझाव के बाद मंत्रालय ने इससे जुड़ी प्रतियोगिता भी कराने का निर्णय लिया है। ■

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के नौशेरा जिले में भारतीय सशस्त्र बलों के सैनिकों के साथ मनाई दिवाली

संवैधानिक पद पर रहते हुए पिछले सभी वर्षों की तरह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष भी सशस्त्र बलों के साथ दिवाली मनाई। उन्होंने चार नवंबर को जम्मू-कश्मीर के नौशेरा जिले में भारतीय सशस्त्र बल का दौरा किया। सैनिकों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे सशस्त्र बलों के साथ उसी भावना से दिवाली मनाते हैं, जैसे अपने परिवार के साथ दिवाली मना रहे हों। संवैधानिक पद संभालने के बाद उन्होंने अपनी सभी दिवाली देश की सीमा पर सशस्त्र बलों के साथ मनाई है।

उन्होंने कहा कि वे अकेले नहीं आए हैं, बल्कि 130 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाओं को अपने साथ लाए हैं। श्री मोदी ने कहा कि आज शाम, प्रत्येक भारतीय देश के बहादुर सैनिकों के प्रति अपनी शुभकामना व्यक्त करने के लिए एक 'दीया' जलाएगा। प्रधानमंत्री ने सैनिकों से कहा कि वे देश के लिए सजीव सुरक्षा कवच के समान हैं। उन्होंने कहा कि देश के वीर पुत्रों और पुत्रियों के द्वारा राष्ट्र की सेवा की जा रही है, यह एक ऐसा सौभाग्य है, जो हर किसी को नहीं मिलता।

श्री मोदी ने मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले नौशेरा के वीरों— ब्रिगेडियर उस्मान और नायक जदुनाथ सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पराक्रम एवं देशभक्ति की अभूतपूर्व मिसाल पेश करने वाले लेफ्टिनेंट आर.आर. राणे और अन्य वीरों को नमन किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों का डटकर समर्थन करने वाले श्री बलदेव सिंह और श्री बसंत सिंह का आशीर्वाद लेने के लिए अपनी भावनाओं को भी व्यक्त किया। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक में अहम भूमिका के लिए वहां तैनात ब्रिगेड की भी सराहना की। श्री मोदी ने राहत के उस पल को भी स्मरण किया जब सभी वीर जवान सर्जिकल स्ट्राइक से सकुशल वापस लौट आए थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें सशस्त्र बलों में सिर्फ असीम क्षमताएं ही नहीं, बल्कि अटूट सेवा भावना, दृढ़ संकल्प और अतुलनीय संवेदनशीलता भी दिखाई देती है। यह भारतीय सशस्त्र बलों को दुनिया के सभी सशस्त्र बलों में अनूठा बनाता है। ■

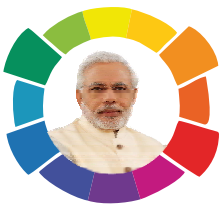

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

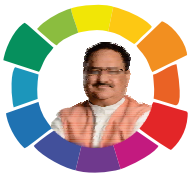

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 18वें भारत–आसियान शिखर सम्मेलन को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

स्कॉटलैंड, ब्रिटेन में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

रोम, इटली में जी–20 शिखर सम्मेलन की एक सामूहिक तस्वीर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस से मिलते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh @KamalSandesh
kamal.sandesh KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह